www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 271 नई दिल्ली, रविवार , 26 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रूपये

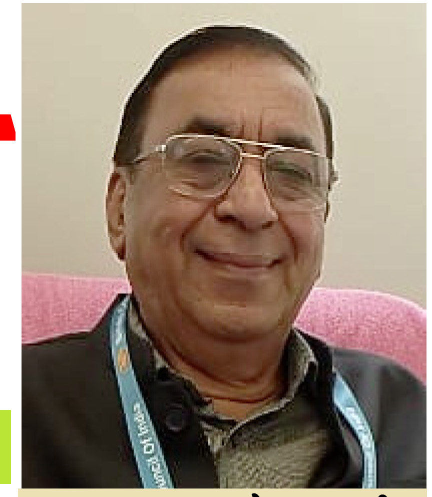

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

सार संक्षेप

प्रल्हाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार शाम श्री धर्मेंद्र प्रधान का मंत्रिमंडल से इस्तीफा स्वीकार कर लिया। उनकी जगह उपभोक्ता एवं खाद्य मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। श्री प्रधान ने आज अपराह्न शिक्षा मंत्री के पद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा भेजा था। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, श्रीमती मुर्मू ने प्रधानमंत्री की सलाह पर तत्काल प्रभाव से श्री प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

डीआरआई ने कई जगहों से 27 किलो सोना जब्त किया

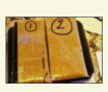

नई दिल्ली। सोने की तस्करी में सक्रिय गिरोहों के खिलाफ अपना अभियान लगातार जारी रखते हुए राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने खुफिया जानकारी के आधार पर देश भर में कई जगह कार्रवाई कर 27 किलोग्राम से अधिक तस्करी सोना जब्त किया है तथा 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय की शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इन कार्रवाइयों में तस्करों द्वारा सोना छुपाने के नये तरीकों का खुलासा हुआ। इनमें विमान के शौचालय की छत के अंदर सोना छिपाना, वाहनों और बर्तनों में विशेष रूप से बनाए गए गुप्त खानों का उपयोग करना तथा शरीर के अंदर सोना छिपाना शामिल है।

मणिपुर पुलिस ने पैसा पहुंचाने के आरोप में महिला को पकड़ा

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने चुराचांदपुर जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े एक मामले में 56 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, महिला पर म्यांमार में ड्रग्स कारोबार से जुड़े संदिग्ध लोगों तक बड़ी रकम पहुंचाने का आरोप है। उसके पास से 28.78 लाख से अधिक नकदी बरामद की गई है, जिसे ड्रग्स तस्करी से अर्जित धन माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत चुराचांदपुर थाने में दर्ज एफआईआर की जांच के दौरान न्यू लमका निवासी जेनंगाइहनियांग (56) को गिरफ्तार किया गया।

सरकार ने मानी मांग, सीजेपी का आंदोलन खत्म करने का ऐलान

नई दिल्ली/एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को सरकार के साथ एक अहम बैठक की। बैठक के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने एक बड़ा ऐलान किया। सीजेपी ने आंदोलन खत्म करने की घोषणा कर दी। वहीं सीजेपी ने जंतर-मंतर से आंदोलन को वापस लेने का ऐलान करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने हमारी मांग मान ली है और हम आंदोलन को खत्म करने का ऐलान करते हैं।

सरकार से बातचीत के बाद सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि हमने सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ तीन राउंड की बातचीत की। जंतर-मंतर पर हमारा प्रोटेस्ट, जो कई दिनों से चल रहा था,

हमारी तीन मुख्य मांगें थीं केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, प्रदर्शनकारियों और आयोजकों के खिलाफ फाइल किए गए सभी लीगल केस, एफआईआर वापस ली जाएं और प्रदर्शनकारियों या आयोजकों के खिलाफ भविष्य में कोई केस फाइल नहीं किया जाए। सीजेपी ने कहा कि हमारी मांग थी कि नीट पेपर न होने के बाद जिन परिवारों ने अपनों को खो दिया, उन्हें 1 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए। अभी कुछ देर पहले ही धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दिया है। इसका मतलब है कि हमारी पहली मांग मान ली गई है। हमारी दूसरी मांग थी कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर, सिर्फ दिल्ली में ही नहीं बल्कि सभी भाजपा शासित और भाजपा सहयोगी राज्यों में, वापस ली जाएं। सरकार ने वह मांग भी मान ली है। जल्द ही एफआईआर वापस ले ली जाएंगी। हमें वे कॉपी किसी भी हाल में तीन से चार दिनों में मिल जाएंगी। सरकार ने कहा है कि वह इसे मंगलवार तक हमारे साथ शेयर करेगी। हमें उम्मीद है कि मंगलवार तक हमें इन एफआईआर और भविष्य की किसी

प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर सरकार लेगी वापस

भी कार्रवाई के बारे में सरकार की गारंटी मिल जाएगी। सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा, कॉकरोच जनता पार्टी यह ऐलान करती है कि हम अच्छी नीयत से आंदोलन वापस ले रहे हैं, इस समझ के साथ कि तय शर्तों को तय टाइमलाइन के अंदर पूरा किया जाएगा।

यह लोकतंत्र की जीत : सोनम वांगचुक

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सोनम वांगचुक ने इसे लोकतंत्र की जीत करार दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह जीत सीधे सड़कों से निकले लोकतांत्रिक आंदोलन, शांति, धैर्य और निरंतर संघर्ष की जीत है। वांगचुक ने अपनी पोस्ट में लिखा, यह लोकतंत्र की जीत है... सीधे सड़कों से निकले प्रत्यक्ष लोकतंत्र की जीत। यह शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत है। सीजेपी, देश की जेन जी जेनरेशन और उन सभी नागरिकों को बधाई, जिन्होंने डर और डर के माहौल से ऊपर उठकर देश के हर कोने से अपनी आवाज बुलंद की।

आयकर रिटर्न दाखिल करने में सिर्फ छह दिन बाकी, अंतिम तिथि 31 जुलाई

नई दिल्ली, 25 जुलाई (हि.स.)। इनकम टैक्स का भुगतान करने वाले करदाताओं के लिए आईटीआर दाखिल करना अनिवार्य है। आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तारीख बेहद नजदीक है। वित्त वर्ष 2025-26 (आंकलन वर्ष 2026-27) के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 तय है। आईटीआर फाइल करने के लिए अब सिर्फ छह दिन ही बचे हैं। आयकर विभाग ने शनिवार को एक्स पोस्ट में कहा कि आखिरी समय का इंतजार न करें, आकलन वर्ष 2026झ27 के लिए अपना आईटीआर-1 और आईटीआर-2, 31 जुलाई, 2026 से पहले फाइल करें। विभाग ने कहा किँ ३३स्रः//ल्लूङ्मीं३७.ङ्न५.ल्ल पर जाकर अपना आयकर रिटर्न (आईटीआर) बिना किसी जुमार्ने के दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से पहले दाखिल करें। आयकर विभाग ने कहा कि अधिकांश वेतनभोगी और व्यक्तिगत करदाताओं को 31 जुलाई की अंतिम तिथि और समय से बचने के लिए आधिकारिक इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर अपना रिटर्न जरूर दाखिल कर लेना चाहिए।

राहुल गांधी ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को बताया छात्रों की जीत, बोले- प्रधानमंत्री को छात्रों से माफी मांगनी चाहिए

नई दिल्ली, 25 जुलाई (हि.स.)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को पत्रकार वार्ता कर इसे छात्रों की जीत बताया। उन्होंने अपने छात्रों की गूंज कार्यक्रम पर कहा कि उनका कार्यक्रम जारी रहेगा और हम लंबे समय से उठाए जा रहे मुद्दों को वे आगे भी उठाते रहेंगे।

राहुल गांधी ने आज दूसरी बार पत्रकार वार्ता करते हुए कहा देश की शिक्षा व्यवस्था की कभी दुनिया में तारीफ होती थी, लेकिन पिछले कुछ सालों से इस पर कब्जा किया जा रहा

है। अब सरकार को शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे। राहुल ने छात्रों की दो और मांगों को दोहराते हुए कहा कि छात्रों पर बर्बरता करने वालों पर कड़ा एक्शन होना चाहिए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश के सभी छात्रों से माफी मांगनी चाहिए।

राहुल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का उद्देश्य छात्रों के आंदोलन को पूरे दिल से समर्थन देना था और हमने यह किया है। हम यहां भारत के छात्रों की रक्षा करने और भारत के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए हैं। यह लड़ाई अतीत और भविष्य के बीच है।

इस्तीफे पर बोले मुरली मनोहर जोशी, देर आए दुरुस्त आए

नई दिल्ली, 25 जुलाई (हि.स.)। पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, देर आए, दुरुस्त आए। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इस पर जल्द ही समयोचित निर्णय लेंगे।

शनिवार को मुरली मनोहर जोशी ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों को शांतिपूर्वक आंदोलन समाप्त करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अब भारतीय शिक्षा जगत में जल्द शांति स्थापित होगी और छात्रों को अपने उज्ज्वल भविष्य तथा प्रगति के लिए व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।

असम में बाढ़ से 12 जिलों की 7 लाख आबादी प्रभावित, 14 और शव मिले

गुवाहाटी, 25 जुलाई (हि.स.)। लगातार बरसात की वजह से असम में आई बाढ़ के हालात उपरी असम में अभी भी स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की ओर से जारी बीते 24 जुलाई के आंकड़ों के अनुसार राज्य में 14 और लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इस तरह राज्य में अब तक मरने वालों की कुल संख्या 61 हो गयी है। असम में खतरे के निशान से ऊपर बहने वाली नदियों में दिखौ (शिवसागर), दिसांग (नंगलामुराघाट), धनसिरी (नुमालीगढ़), कुशियारा (श्रीभूमि) शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए स्वयं युद्ध स्तर पर सभी तरह के उपायों पर नजर बनाए हुए हैं। साथ ही राज्य के मंत्रियों को भी प्रभावित इलाकों में जाकर निगरानी करने का निर्देश दिया है। इस बीच मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को आभासी पद्धति से बाढ़ प्रभावित जिलाधिकारियों से बातचीत कर राहत कार्य तेज करने का निर्देश दिया था। बाढ़ से वर्तमान समय में कुल 12 जिले प्रभावित हुए हैं। जिसमें गोलाघाट, चराईदेव, डिब्रूगढ़, होजाई, नगांव, बिश्वनाथ, जोरहाट, धेमाजी, शिवसागर, शोणितपुर, कामरूप (मेट्रो), कार्बी आंगलोंग शामिल हैं।

बाढ़ से 12 जिलों के 37 राजस्व मंडलों के कुल 856 गांव प्रभावित है। राज्य की कुल 705148 आबादी एवं 56606.777 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। राज्य सरकार ने बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए कुल 96 राहत शिविर एवं 267 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 363 शिविर स्थापित किये गये हैं। राहत शिविरों में 115205 लोग आश्रय लिए हुए हैं। जबकि राहत वितरण केंद्रों पर 200056 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं।

बाढ़ के पानी से 24 जुलाई को बरामद शवों की संख्या 14 दर्ज हुई। जिसमें चराईदेव में 07, शिवसागर में 06 और जोरहाट में 01 शव बरामद हुए। बाढ़ से प्रभावित जानवरों की कुल संख्या 334020 दर्ज हुई है। जिसमें बड़े 96483, छोटे 53692 एवं मुर्गी-पालन 183845 दर्ज हुए हैं। इस बीच बाढ़ के पानी में कुल 17107 जानवर बह गये। जिसमें जोरहाट जिले में 04 एवं डिब्रूगढ़ जिले में 01 और शिवसागर जिले में 17102 पशु पानी में बह गये हैं।

बाढ़ में राहत एवं बचाय अभियान में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है।

इस बीच बाढ़ प्रभावित इलाकों में राज्य सरकार ने कुल 139 मेडिकल टीमों को तैनात किया।

सम्राट सरकार के 100 दिनों की उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड जारी

पटना/(हि.स.)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शनिवार को विकास और जनकल्याण से जुड़े कई कार्यक्रमों में भाग लिए। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एनडीए सरकार के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर 11,464 करोड़ रुपये की लागत से 2,476 विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है।

इन परियोजनाओं के माध्यम से सड़क, पुल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, उद्योग, पेयजल तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और राज्य के संतुलित एवं समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री सुबह 11:30 बजे बीआईटी मेसरा कैंपस में आयोजित राज्यस्तरीय विकास उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। सरकार इस अवसर पर अपने 100 दिनों के कार्यों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रस्तुत किया।

सेवा, संकल्प, समर्पण के नारे के साथ एनडीए सरकार के 100 दिन पूरे होने पर सरकार ने अपनी उपलब्धियों का एक बुकलेट जारी किया है। इसके साथ ही उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए डिजिटल और प्रिंट प्रचार रथों को भी रवाना किया गया। इसमें पंचायत स्तर पर चलाए गए सहयोग कार्यक्रम के तहत 5.6 लाख से अधिक जन शिकायतों के निस्तारण, 551 मॉडल स्कूलों और 211 नए डिग्री कॉलेजों के संचालन, कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस दीदी विंग की शुरूआत और थानों को नए

वाहन उपलब्ध कराने जैसी उपलब्धियों को प्रमुखता से रखा गया।

इसके अलावा सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में हर महीने की 10 तारीख को बिहार पेंशन दिवस घोषित कर लगभग 97 लाख लाभार्थियों के खातों में सीधे पेंशन राशि भेजने की व्यवस्था को भी सरकार ने अपनी प्रमुख उपलब्धियों में शामिल किया है।

इस दौरान उन्होंने एनडीए सरकार के 100 दिन पूरे होने पर बिहार की जनता को बधाई दिया।

7 लाख आवेदन मिले, 90% मामलों का निष्पादन :

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक करीब सात लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें लगभग 90 प्रतिशत मामलों का निष्पादन किया जा चुका है। प्रत्येक महीने के पहले मंगलवार को पूरे राज्य में सहयोग शिविर लगाए जाते हैं और दूसरे मंगलवार को वह स्वयं बैठकर प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हैं। सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार का प्रत्येक विभाग जनता के कल्याण के लिए बड़े पैमाने पर कार्य कर रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियों को गिनाया :

शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 211 डिग्री कॉलेज खोलने का काम किया गया है। अगले पांच वर्षों में ऐसा वातावरण तैयार किया जाएगा कि बिहार के हर बच्चे को राज्य में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। उन्होंने बताया कि राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई भी शुरू कर दी गई है तथा जननायक कपूरी ठाकुर के नाम पर एक शोध संस्थान की स्थापना की जाएगी।

विक्रमशिला विवि के पुनर्जीवन का जिक्र :

मुख्यमंत्री ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय के पुनर्जीवन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, जब पीएम मोदी नालंदा विश्वविद्यालय की विरासत को पुनर्स्थापित करने आए थे, तब उन्होंने विक्रमशिला विश्वविद्यालय को भी उसी गौरव के साथ स्थापित करने की बात कही थी। इसी दिशा में राज्य सरकार ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय के लिए 120 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है, ताकि इसे विश्वस्तरीय शैक्षणिक संस्थान के रूप में विकसित किया जा सके।

समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान :

मुख्यमंत्री के समक्ष सूचना एवं प्रावैधिकी विभाग तथा माइक्रो सॉफ्ट के बीच समझौता ज्ञापन कर आदान-प्रदान किया गया। साथ ही डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग तथा एचपीसीएल एवं आईओसीएल के बीच भी समझौता ज्ञापन कर आदान-प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत फिजीशियन, ऑर्थोपेडिक्स, फार्मासिस्ट के चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी व विजेंद्र प्रसाद यादव तथा मंत्री श्रवण कुमार ने भी संबोधित किया।

नालंदा विश्वविद्यालय में विरासत-पर्यटन प्रबंधन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का शुभारंभ

राजगीर/पटना। (हि.स.) नालंदा विश्वविद्यालय और बिहार सरकार के पर्यटन विभाग के संयुक्त सहयोग से आज विरासत-पर्यटन प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का शुभारंभ हुआ। पहले ही संस्करण में सभी 60 सीटें भर गईं। कार्यक्रम में पर्यटन गाइड, टूर ऑपरेटर, वन्यजीव व्याख्याकार, संग्रहालय कर्मी, शोधार्थी तथा पर्यटन एवं विरासत क्षेत्र से जुड़े पेशेवर भाग ले रहे हैं। यह पांच दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज तथा स्कूल ऑफ हिस्टॉरिकल स्टडीज के संयुक्त समन्वय में आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी ने कहा कि पर्यटन मार्गदर्शक ही किसी भी आगंतुक का पहला संपर्क-बिंदु होते हैं। बिहार की सभ्यतागत विरासत को लोग किस दृष्टि से समझेंगे, यह काफी हद तक उनके संवाद और प्रस्तुति पर निर्भर करता है।

उन्होंने कहा कि आज पर्यटन लगातार विशेषज्ञता की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में एक मार्गदर्शक के पास केवल ऐतिहासिक तथ्यों का ज्ञान पर्याप्त नहीं है। इतिहास, पुरातत्व, कला, पर्यावरण, संस्कृति और भाषा की समेकित समझ ही उसे एक बेहतर व्याख्याकार बनाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में पर्यटन बिहार की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख आधार बनेगा, इसलिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करना समय की आवश्यकता है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आगे चलकर विश्वविद्यालय के रियायती अल्पावधि भाषा पाठ्यक्रमों से भी जोड़ा जाएगा।

हावड़ा स्टेशन पर रिश्वत के आरोप में रेलवे के डिप्टी चीफ इंजीनियर समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली/(एजेंसी) । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के डिप्टी चीफ सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर को हावड़ा रेलवे स्टेशन पर 4 लाख रुपये की घूस लेते रंगेहाथों दबोच लिया। इस मामले में कोलकाता की निजी कंपनी एमआरटी सिग्नल्स लिमिटेड के दो प्रतिनिधियों को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि रेलवे अधिकारी अनुबंध से जुड़े मामलों में अनुचित लाभ पहुंचाने के बदले रिश्वत ले रहा था।

सीबीआई के अनुसार, शुक्रवार को दर्ज मामले में आरोप है कि डिप्टी चीफ सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर सत्यम कुमार ने एमआरटी सिग्नल्स लिमिटेड, कोलकाता के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर साजिश रची और चक्रधरपुर मंडल में कंपनी द्वारा किए जा रहे सिग्नल एवं दूरसंचार कार्यों से संबंधित प्राइस वैरिएशन क्लॉज (पीवीसी) और कॉन्ट्रैक्ट वैरिएशन फाइल को मंजूरी देने सहित अन्य आधिकारिक कार्यों में अनुचित लाभ पहुंचाने के बदले रिश्वत की मांग की। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी अधिकारी मई में इसी मामले में पांच लाख रुपये की रिश्वत पहले ही ले चुका था। इसके बाद उसने शेष हिस्से के रूप में चार लाख रुपये और मांगे थे। शिकायत के आधार पर सीबीआई ने जाल बिछाया और हावड़ा रेलवे स्टेशन पर आरोपी अधिकारी को कंपनी के प्रतिनिधियों से चार लाख रुपये लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। रिश्वत की पूरी राशि मौके से बरामद कर जब्त कर ली गई। गिरफ्तार आरोपितों में दक्षिण पूर्व रेलवे, चक्रधरपुर के डिप्टी चीफ सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर सत्यम कुमार, एमआरटी सिग्नल्स लिमिटेड के प्रतिनिधि सुब्रत चक्रवर्ती और राजू पंडित शामिल हैं। सीबीआई ने आरोपितों के पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार स्थित आवासीय एवं कार्यालय परिसरों पर भी तलाशी ली। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं। सभी आरोपितों को सक्षम अदालत में पेश किया जा रहा है। सीबीआई ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कई वर्षों बाद रिश्वतखोरी से जुड़े किसी मामले में यह उसका पहला ट्रैप ऑपरेशन है। मामले की जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

30 दिवसीय बाल रंगमंच कार्यशाला का समापन, बच्चों की नाट्य प्रस्तुति ने जीता दर्शकों का दिल

नई दिल्ली, 25 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी), नई दिल्ली की चिल्ड्रन थिएटर विंग्स द्वारा रंगाभास नाट्यशाला और कलाव्योम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 30 दिवसीय बाल रंगमंच कार्यशाला का समापन समारोह फ्यूचर प्राइड स्कूल, इंदिरा नगर में आयोजित किया गया। समापन अवसर पर बच्चों ने अभिनय, संवाद, संगीत और शारीरिक अभिव्यक्ति पर आधारित प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। कार्यशाला के दौरान बच्चों को रंगमंच की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह में प्रस्तुत नाटक का निर्देशन सुशील कान्त मिश्रा तथा सहायक निर्देशन श्रीमती सावित्री एस. मिश्रा ने किया। प्रस्तुति में बच्चों की अभिनय क्षमता, आत्मविश्वास और मंच संचालन कौशल ने सभी को प्रभावित किया। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने कहा कि रंगमंच बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और संवाद कौशल विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा एवं डॉ. स्वप्निल वधवा ने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के इस प्रयास की सराहना करते हुए विद्यालय के निदेशक चित्तरंजन त्रिपाठी, चिल्ड्रन थिएटर विंग्स के प्रभारी सुमन वैद्य, कार्यशाला निदेशक सुशील कान्त मिश्रा तथा सहायक निदेशक सावित्री एस. मिश्रा के योगदान की प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा तैयार की गई चित्रकला एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया। अभिभावकों ने बच्चों में आए सकारात्मक बदलाव, बढ़े आत्मविश्वास और रचनात्मक विकास की सराहना की। कार्यशाला में अभिभावकों को भी सहभागी बनाकर सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को पारिवारिक स्तर तक विस्तार देने का प्रयास किया गया। फ्यूचर प्राइड स्कूल की प्राचार्य नीलम किलोरिया ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया। समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की ओर से प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक उमेश किलोरिया, बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक, कला प्रेमी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सौरभ भारद्वाज के खिलाफ मानहानि मामले में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य दाखिल

नई दिल्ली, 25 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में शनिवार को दिल्ली सरकार के मंत्री परवेश वर्मा की ओर से आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले में आज साक्ष्य के रुप में इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज दाखिल किए गए। एडिशनशन चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने मामले की अगली सुनवाई एक अगस्त को करने का आदेश दिया। आज शिकायतकर्ता परवेश वर्मा की ओर से कुछ दस्तावेज और पेन ड्राइव में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य दाखिल किया, जिसे कोर्ट ने रिकॉर्ड पर ले लिया। इसके पहले 15 जुलाई को परवेश वर्मा की ओर से दो गवाहों शक्ति सिंह सहरावत और कुलभूषण जैन के बयान दर्ज कराए गए थे। शिकायतकर्ता परवेश वर्मा ने 4 जुलाई को अपना बयान दर्ज कराया था। परवेश वर्मा ने अपने बयान में कहा था कि सौरभ भारद्वाज ने उनके और उनके परिवार की छवि को खराब करने के लिए झूठे आरोप लगाए। उन्होंने कहा था कि सौरभ भारद्वाज ने झूठा आरोप लगाया था कि परवेश वर्मा ने बतौर मंत्री अपने पद का गलत इस्तेमाल कर अपने कथित सहयोगी को लगभग पांच सौ करोड़ रुपये के एक निजी स्कूल ट्रस्ट में ट्रस्टी नियुक्त किया। परवेश वर्मा ने आपराधिक मानहानि याचिका में कहा है कि सौरभ भारद्वाज ने 15 और 16 मई को उन्हें बदनाम करने की नीयत से सोशल मीडिया पोस्ट किया। याचिका में कहा गया है कि सौरभ भारद्वाज ने झूठा आरोप लगाया था कि परवेश वर्मा ने बतौर मंत्री अपने पद का गलत इस्तेमाल कर अपने कथित सहयोगी को लगभग पांच सौ करोड़ रुपये के एक निजी स्कूल ट्रस्ट में ट्रस्टी नियुक्त किया। याचिका में कहा गया है कि सौरभ भारद्वाज ने ये भी कहा था कि परवेश वर्मा ने स्कूल के कर्मचारियों के पक्ष में काम किया जो पॉक्सो केस में आरोपित हैं। परवेश वर्मा ने कहा है कि सौरभ भारद्वाज के ये पोस्ट समाज की नजरों में उनकी छवि को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने के लिए किए। इसी मामले में परवेश वर्मा ने सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में दीवानी मानहानि का केस दायर किया है। उच्च न्यायालय में दाखिल दीवानी मानहानि याचिका में परवेश वर्मा ने सौरभ भारद्वाज से पांच करोड़ रुपये के हजार्ने की मांग की है।

छात्र आंदोलन के समाधान में प्रधानमंत्री की संवेदनशीलता की देश कर रहा सराहना : हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, 25 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने शनिवार को कहा कि छात्र आंदोलन का समाधान निकालने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संवेदनशीलता और संवाद कौशल की आज पूरे देश में सराहना हो रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री द्वारा युवाओं से सुझाव लेकर समाधान निकालने की प्रक्रिया अभूतपूर्व रही और इससे युवाओं के बीच उनका विश्वास और मजबूत हुआ है। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि देश का युवा पहले भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ था, आज भी है और आगे भी उनके साथ रहेगा, क्योंकि उन्होंने युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में स्वयं को खरा साबित किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं, विशेषकर अरविंद केजरीवाल और राहुल गांधी ने छात्र आंदोलन को हिंसक बनाने के उद्देश्य से भड़काऊ भाषण दिए, जिससे देश की जनता और युवाओं के सामने उनका वास्तविक चेहरा उजागर हो गया।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि जंतर-मंतर क्षेत्र में पुलिस की फेसियल रिकॉग्निशन प्रणाली के माध्यम से 2,500 से अधिक आपराधिक चेहरों की पहचान हुई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि आंदोलन में आपराधिक तत्वों ने खतरनाक तरीके से घुसपैठ की थी।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पूरे आंदोलन के दौरान अरविंद केजरीवाल और राहुल गांधी के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई दिखाई दी। मल्होत्रा ने कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री आवास की सुरक्षा से समझौता करने का प्रयास किया, जबकि अरविंद केजरीवाल शुरूआत से ही जंतर-मंतर पर अशांति फैलाने में लगे थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केजरीवाल द्वारा शुक्रवार शाम सोशल मीडिया पर यह दावा करते हुए साझा किया गया वीडियो कि पुलिस रात में प्रदर्शन स्थल को हटा देगी, भ्रामक था और उसका उद्देश्य हिंसा भड़काना तथा सरकार को बदनाम करना था।

छात्र आंदोलन और विपक्षी एकता के आगे शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली, 25 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के कहा कि छात्र आंदोलन और विपक्षी एकता के आगे केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को आखिर इस्तीफा देना पड़ा। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को सरकार के आदेश पर पुलिस द्वारा छात्रों के साथ निर्दयता से मारपीट करने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की छात्र आंदोलन के समर्थन में संसद और सड़क पर उतर कर प्रधानमंत्री निवास पर धरने पर बैठने के बाद ही सरकार को विपक्ष की एकता के सामने झुकना पड़ा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और विपक्ष की एकता ने छात्रों की आवाज को एकजुटता के साथ बुलंद किया। देवेंद्र यादव ने शनिवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कांग्रेस हमेशा भारत में संविधान की रक्षा और नौजवानों की आवाज बुलंद करने के लिए संसद के अंदर और बाहर मजबूती के साथ खड़ी थी, खड़ी है और हमेशा खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी ने भाजपा कार्यकाल में 152 पेपर लीक और नीट परीक्षा के लगातार तीन वर्षों में पेपर लीक होने पर आत्महत्या करने वाले छात्रों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए !

पंजाब में कथित पेपर लीक मामले के दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, 25 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री एवं वरिष्ठ सिख नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने पंजाब में कथित तौर पर सामने आए पेपर लीक के मामलों को लेकर पंजाब सरकार से जवाबदेही तय करने और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा कि यदि किसी राज्य में बार-बार प्रतियोगी परीक्षाओं की गोपनीयता पर सवाल उठते हैं, तो सरकार का दायित्व है कि वह समयबद्ध एवं निष्पक्ष जांच कराए तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करे। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में कई प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के बावजूद अब तक स्पष्ट जवाबदेही तय नहीं की गई है।

मंत्री सिरसा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेता दिल्ली में छात्रों के आंदोलनों और प्रदर्शनों में मंच साझा करते हैं तथा केंद्र सरकार पर लगातार सवाल उठाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में छात्रों को आंदोलन के लिए भ्रमित किया जाता है और सरकार पर दबाव बनाने की राजनीति की जाती है, लेकिन जब पंजाब में कथित तौर पर एक के बाद एक पेपर लीक के मामले सामने आते हैं, तब वही लोग पूरी तरह चुप्पी साध लेते हैं।

उन्होंने कहा कि यदि छात्रों के भविष्य की चिंता वास्तव में है, तो वह केवल दिल्ली तक सीमित नहीं होनी चाहिए। पंजाब के लाखों युवाओं के साथ न्याय की मांग पर भी समान मुखरता दिखाई जानी चाहिए।

मंत्री सिरसा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा सार्वजनिक परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सख्त कानूनी प्रावधान लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब केंद्र सरकार इस दिशा में कठोर कदम उठा रही है, तब पंजाब सरकार और उसके शिक्षा मंत्री की जवाबदेही पर सवाल उठाना भी उतना ही आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि यदि अन्य राज्यों के मामलों में नैतिक जिम्मेदारी की मांग की जाती है, तो पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के मामले में भी वही मानदंड लागू होने चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि इस विषय पर कुछ राजनीतिक दल और उनके नेता मौन क्यों हैं।

छात्र आंदोलन से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता अभिजीत दीपके ने भी सार्वजनिक रूप से कहा था कि यदि पंजाब में छात्रों के साथ अन्याय या पेपर लीक जैसे मामले सामने आते हैं, तो उनके खिलाफ भी आवाज उठाई जाएगी।

मंत्री सिरसा ने कहा कि अब समय आ गया है कि सभी पक्ष अपने शब्दों पर कायम रहें और पंजाब के युवाओं के हित में भी समान रूप से संघर्ष करें। उन्होंने कहा कि पंजाब में कथित तौर पर नायब तहसीलदार भर्ती परीक्षा, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड से जुड़े पेपर लीक, कृषि अधिकारी भर्ती परीक्षा तथा बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज द्वारा आयोजित फार्मासिस्ट भर्ती परीक्षा से संबंधित अनियमितताओं के मामले सामने आए हैं। उनका कहना था कि इन घटनाओं से लाखों विद्यार्थियों का विश्वास प्रभावित हुआ है और सरकार को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि किन मामलों में क्या कार्रवाई हुई है।

उन्होंने कहा कि यदि किसी भी राज्य में पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो वहां निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और आवश्यक होने पर राजनीतिक जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। छात्रों के भविष्य के प्रश्न पर दोहरे मानदंड नहीं अपनाए जाने चाहिए।

सिरसा ने पंजाब सरकार से मांग की कि सभी कथित पेपर लीक मामलों की समयबद्ध एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस को नैतिक जिम्मेदारी के आधार पर अपने पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे परीक्षा प्रणाली में छात्रों का विश्वास मजबूत होगा और युवाओं को यह संदेश जाएगा कि उनके भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं पर गंभीर मंथन, शिक्षा व्यवस्था में लाइफ स्किल्स शामिल करने पर जोर

नई दिल्ली, 25 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। वैश्विक अध्ययन केंद्र (दिल्ली विश्वविद्यालय) और सभ्यता अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर स्थित अकादमिक शोध केंद्र में तीसरी मासिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का विषय युवा और आत्महत्याएं: शिक्षा एवं अनिश्चित भविष्य रहा। हाल के छात्र आंदोलनों और युवाओं में बढ़ती मानसिक चुनौतियों की पृष्ठभूमि में आयोजित इस चर्चा में शिक्षाविदों, शोधकताओं और छात्रों ने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक जिम्मेदारियों पर गंभीर विचार-विमर्श किया। गोष्ठी में बीज वक्तव्य देते हुए सभ्यता अध्ययन केंद्र के निदेशक रवीशंकर ने कहा कि युवाओं में बढ़ती निराशा, आक्रोश और आत्महत्या की प्रवृत्ति समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए व्यक्ति, परिवार, समाज और राज्य सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारियां निभानी होंगी। तभी युवा सकारात्मक दिशा में आगे बढ़कर राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे। सभ्यता अध्ययन केंद्र के उपाध्यक्ष प्रकाश चंद्र ने आधुनिक जीवनशैली, सामाजिक प्रतिस्पर्धा और बढ़ते दबाव को युवाओं के मानसिक तनाव का प्रमुख कारण बताया। वहीं पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज के आचार्य डॉ. हरीश अरोड़ा ने कहा कि प्रतियोगी माहौल में हर छात्र पर सफलता और बेहतर नौकरी पाने का अत्यधिक दबाव होता है, जो कई बार उन्हें अवसाद और आत्मघाती कदमों की ओर धकेल देता है। दिल्ली विश्वविद्यालय की मनोविज्ञान की छात्रा सिया कौशिक ने कहा कि शिक्षकों और छात्रों के बीच संवाद की कमी भी एक बड़ी समस्या है। उन्होंने सभी शैक्षणिक संस्थानों में योग्य मनोवैज्ञानिक और मनोचिकित्सकों की नियुक्ति की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि समय पर परामर्श मिलने से कई विद्यार्थियों को मानसिक संकट से बाहर निकाला जा सकता है। गोष्ठी के आयोजक एवं लेखक अवधेश ने कहा कि युवाओं की मानसिक समस्याओं को केवल एक कारण से नहीं समझा जा सकता। इसके लिए समग्र (होलिस्टिक) दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें शिक्षा, परिवार, सामाजिक वातावरण और सरकारी नीतियों सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है। समापन सत्र में वैश्विक अध्ययन केंद्र के उपनिदेशक डॉ. महेश कौशिक ने सुझाव दिया कि प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षा तक जीवन कौशल शिक्षा (लाइफ स्किल्स एजुकेशन) को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए शिक्षकों का विशेष प्रशिक्षण आवश्यक है तथा अभिभावकों को भी बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति नियमित रूप से जागरूक किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी विद्वानों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि युवाओं में बढ़ते मानसिक अवसाद और आत्महत्या की प्रवृत्ति को रोकने के लिए सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, परिवार और समाज को मिलकर ठोस एवं जमीनी स्तर पर प्रयास करने होंगे।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर केंद्र पर हमलावर हुई आआपा, छात्र आंदोलन को बताया लोकतंत्र और युवाशक्ति की जीत

नई दिल्ली, 25 जुलाई (हि.स.)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद आम आदमी पार्टी (आआपा) ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इसे छात्रों और युवाओं के लंबे आंदोलन की जीत बताते हुए कहा कि सरकार को जनदबाव के आगे झुकना पड़ा। साथ ही शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग भी दोहराई।

आआपा के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में पहली बार केंद्र सरकार को किसी मंत्री का इस्तीफा देना पड़ा है। उन्होंने दावा किया कि किसान आंदोलन के बाद यह दूसरा अवसर है, जब सरकार जनआंदोलन के दबाव में झुकी है। उन्होंने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए)

के अधिकारियों पर हुई कार्रवाई को युवाओं के संघर्ष की बड़ी जीत बताया।

दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि देश के छात्रों और युवाओं ने असंभव लगने वाली लड़ाई जीतकर दिखा दी है। उनके अनुसार यह केवल पहली जीत है और इससे देश में शिक्षा सुधार के नए आंदोलन की शुरूआत होगी। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के खिलाफ चला संघर्ष भविष्य में शिक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की नींव बनेगा। वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने कहा कि नीट पेपर लीक के बाद छात्र लंबे समय तक आंदोलनरत रहे और आंदोलन के दौरान दमनात्मक कार्रवाई का भी सामना करना पड़ा, लेकिन युवाओं ने हार नहीं मानी। उन्होंने कहा कि अंततः सरकार को झुकना पड़ा, जो लोकतंत्र और छात्र शक्ति की जीत है।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जिस सरकार को अपने मंत्रियों के इस्तीफे न होने का गर्व था, उसे देश की युवा पीढ़ी ने झुकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान छात्रों पर तरह-तरह के आरोप लगाए गए, लेकिन वे अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटे। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा युवाशक्ति की जीत है और आंदोलन में शामिल सभी छात्रों तथा युवाओं को इसका श्रेय जाता है। एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि छात्रों की एकजुटता और लोकतांत्रिक संघर्ष ने यह साबित किया है कि युवा जब अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर खड़े होते हैं तो सत्ता को भी जवाब देना पड़ता है। वहीं, कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि इस आंदोलन ने दिखा दिया कि जनशक्ति के सामने सत्ता का अहंकार टिक नहीं सकता।

दिल्ली सरकार के अचीवमेंट एंड स्कीम एक्सपो-2026 में एमसीडी की जनहितकारी योजनाओं और नागरिक सेवाओं का प्रदर्शन

नई दिल्ली, 25 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने शनिवार को भारत मंडपम, प्रगति मैदान में आयोजित दिल्ली सरकार के अचीवमेंट एंड स्कीम एक्सपो-2026 (उपलब्धि एवं योजना प्रदर्शनी) में अपने स्टॉल के माध्यम से नागरिक-केंद्रित पहलों, जनहितकारी योजनाओं, नवाचारों और विभिन्न नागरिक सेवाओं का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, नागरिकों और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों ने एमसीडी के स्टॉल का भ्रमण कर निगम की योजनाओं और सेवाओं की जानकारी प्राप्त की।

एमसीडी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार प्रदर्शनी में संपत्ति कर विभाग, पर्यावरण प्रबंधन सेवा विभाग (डैम्स), पशु चिकित्सा सेवा विभाग और जन स्वास्थ्य विभाग ने भाग लिया। विभागों ने आकर्षक मॉडल, इंटरैक्टिव डिस्प्ले, सूचना पैनलों और जनजागरूकता सामग्री के माध्यम से अपनी विभिन्न परियोजनाओं, डिजिटल पहलों और नागरिक सेवाओं को प्रदर्शित किया। प्रदर्शनी के दौरान विभागीय अधिकारियों ने आगंतुकों से संवाद कर ऑनलाइन संपत्ति कर भुगतान, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, पशु चिकित्सा सेवाओं तथा जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी साझा की।

एमसीडी ने कहा कि यह प्रदर्शनी नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित करने का महत्वपूर्ण मंच है, जिसके माध्यम से पारदर्शी प्रशासन, बेहतर नागरिक सेवाओं, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण के प्रति निगम की प्रतिबद्धता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली नगर निगम का स्टॉल 25 से 27 जुलाई तक भारत मंडपम के हॉल संख्या 8, 9 और 10 में स्टॉल संख्या 71 पर आम नागरिकों के लिए खुला रहेगा। निगम ने लोगों से प्रदर्शनी में पहुंचकर उसकी विभिन्न जनहितकारी पहलों और सेवाओं की जानकारी लेने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ दिल्ली के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर एनएसयूआई का विजय मार्च, सभी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान

नई दिल्ली, 25 जुलाई (हि.स.)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने शनिवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के नेतृत्व में राष्ट्रीय मुख्यालय से जंतर-मंतर तक विजय मार्च निकाला। संगठन ने इसे छात्र आंदोलन की ऐतिहासिक जीत बताते हुए कहा कि छात्रों की सभी मांगें पूरी होने तक देशव्यापी आंदोलन जारी रहेगा।

मार्च के बाद आयोजित सभा को संबोधित करते हुए एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि जो सरकार पीछे हटने को तैयार नहीं थी, उसे छात्रों की एकजुटता ने झुकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा छात्रों की पहली मांग थी, जो पूरी हो गई है, लेकिन शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करने और अन्य लंबित मांगों को पूरा कराने तक आंदोलन जारी रहेगा।

जाखड़ ने कहा कि यह इस्तीफा शिक्षा व्यवस्था में लगातार सामने आई

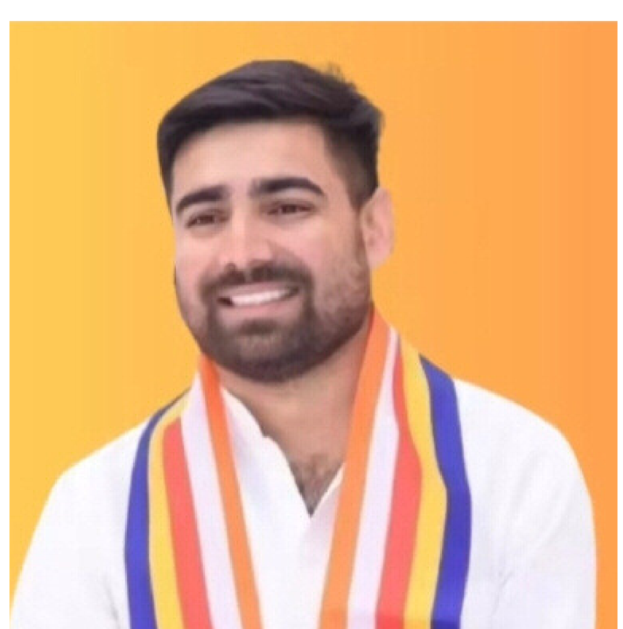

विफलताओं, भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ देशभर के छात्रों के संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने दावा किया कि इस आंदोलन ने साबित कर दिया है कि छात्र एकजुट होकर किसी भी सरकार को जवाबदेह बनने के लिए मजबूर कर सकते है।

उन्होंने कहा कि एनएसयूआई की लड़ाई किसी एक व्यक्ति के इस्तीफे तक सीमित नहीं है। संगठन का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और छात्रों के साथ न्याय सुनिश्चित करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक छात्रों की सभी मांगें पूरी नहीं होतीं और शिक्षा व्यवस्था में सार्थक सुधार लागू नहीं किए जाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

एनएसयूआई ने अपनी प्रमुख मांगों में शिक्षा व्यवस्था में हुई अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल पद से हटाने, शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के लिए सार्वजनिक माफी, दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई तथा आईटीपीआई मान्यता घोटाले और उससे जुड़े मामलों की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) से समयबद्ध जांच कराने की मांग दोहराई।

भविष्यफल

मेष- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। पुराने मित्र मिलेगें। शुभांक-4-6-7

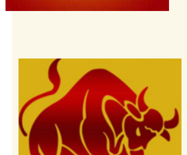

वृष- अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन- आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक कृषचताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-4-6

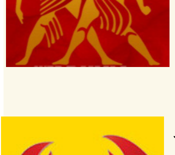

कर्क- उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-1-3-5

सिंह- यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-8

कन्या- घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

तुला- संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता हैं। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-5-7-9

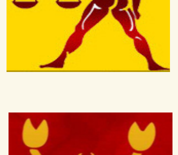

वृश्चिक- अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

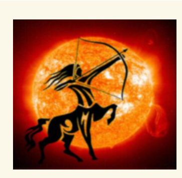

धनु- कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-1-4-8

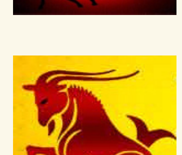

मकर- आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-3-5-7

कुंभ- बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-1-4-6

मीन- व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा, इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-2-4-6

रक्षा मंत्री राजनाथ बोले, भारतीय सेनाएं हर चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

कारगिल विजय दिवस: भारत की ऐतिहासिक जीत के 27 वर्ष पूरे

दुश्मन की मंशा आज भी नहीं बदली है। वह अब भी घुसपैठ और प्रॉक्सी वॉर जैसी साजिशें कर रहा है। लेकिन भारतीय सशस्त्र बल हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर द्रास में आयोजित कार्यक्रम में कही। रक्षा मंत्री ने 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में सैनिकों ने जो साहस, संकल्प और देशभक्ति दिखाई, वह आज भी पूरे देश और सेना को प्रेरित करती है।जब तक भारतीय सैनिकों का साहस और देशभक्ति अटल है, तब तक कोई भी भारत की ओर बुरी नजर डालने की हिम्मत नहीं कर सकता। सैनिकों की वजह से देश का हर नागरिक बिना डर अपने सपने पूरे कर सकता है। रक्षा मंत्री ने सैनिकों के साथ बराखाना में वार्ता भी की। कारगिल की जीत पर हमें गर्व है, लेकिन देश के सामने सुरक्षा चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं।

भारतीय सेनाओं ने नई तकनीकों को तेजी से अपनाया

रक्षा मंत्री ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सैनिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही सेना के आधुनिकीकरण पर भी लगातार जोर दिया जा रहा है। आधुनिक हथियार और बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सेनाओं ने नई तकनीकों को तेजी से अपनाया है। द्रास के विश्वनाथन स्टेडियम में आयोजित शौर्य भोज कार्यक्रम में ड्रोन, रोबोटिक म्यूल और सेना के मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया गया। साथ ही लद्दाख की संस्कृति पर आधारित रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में लद्दाख के एलजी विनय कुमार सक्सेना, थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, उत्तरी कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा, कारगिल युद्ध के पूर्व सैनिक, वीर नारियां, शहीदों के परिजन और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। इससे पहले कारगिल युद्ध स्मारक पर शौर्य संध्या का आयोजन हुआ। यहां देशभक्ति गीतों के बीच ऑपरेशन विजय के वीरों को श्रद्धांजलि दी गई। कारगिल युद्ध में शहीद हुए 10 सैनिकों के परिजनों को सम्मानित किया गया। रक्षा मंत्री को वीरों की मिट्टी से भरा कलश भी भेंट किया गया।

मिडिल ईस्ट में छिड़ा महायुद्ध, अमेरिकी ठिकानों पर ईरान ने किया पलटवार

बहरीन और कुवैत ने ईरान में घुसकर की सीक्रेट एयरस्ट्राइक, यूएई ने भी दिया साथ

● तेहरान / (एजेंसी)

मिडिल ईस्ट में छिड़ी जंग अब एक बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, बहरीन और कुवैत ने ईरान के अंदर मौजूद सैन्य ठिकानों पर पहली बार सीक्रेट एयरस्ट्राइक की है। इस गुप्त ऑपरेशन में संयुक्त अरब अमीरात ने खुफिया जानकारी और एयर कवर देकर मदद की। दूसरी तरफ अमेरिका ने ईरान की नाकेबंदी तोड़ रहे जहाजों पर कार्रवाई तेज कर दी है। ईरान ने भी बहरीन, कुवैत और इराक में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भारी ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में तबाही का मंजर बन गया है। मिडिल ईस्ट में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। बहरीन और कुवैत ने पहली बार सीधे ईरान के अंदर बने ड्रोन और मिसाइल स्टोरेज सेंटरों को निशाना बनाया है। इस पूरे सीक्रेट ऑपरेशन में यूएई ने पर्दे के पीछे रहकर खुफिया जानकारी दी और बहरीन-कुवैत के लड़ाकू विमानों को हवाई सुरक्षा मुहैया कराई। बहरीन और कुवैत की वायुसेना काफी छोटी है, लेकिन लगातार हो रहे ईरानी हमलों के जवाब में उन्हें यह बड़ा कदम उठाना पड़ा है।

ईरान ने अपनाया आक्रामक रूख: ईरान ने भी इस हमले के बाद शांत बैठने के बजाय आक्रामक रुख अपना लिया है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने दावा किया है कि उन्होंने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों पर ताबड़तोड़ ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं। कुवैत में कैंप उदैरी और अली अल सालेम एयर बेस को निशाना बनाने का दावा किया गया है. इसके अलावा अमेजन के एक डेटा सेंटर पर भी हमले की खबर सामने आई है।ईरान का साफ कहना है कि अमेरिका जिसका भी इस्तेमाल उसके खिलाफ करेगा, वह उसका जायज निशाना होगा।

समुद्र में नाकेबंदी व अमेरिका की गोलीबारी

फारस की खाड़ी में तनाव चरम पर है। अमेरिकी सेना ने साफ कर दिया है कि वह ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी किसी कीमत पर टूटने नहीं देगी। अमेरिका ने ओमान की खाड़ी में नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे एम/टी लेवाइन (एम/टी लाविन) नाम के एक व्यापारिक जहाज के इंजन पर गोलियां चलाकर उसे बेकार कर दिय। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में सुरक्षा सलाहकारों के साथ मीटिंग की और कहा कि वह युद्ध खत्म करने की कोई जल्दबाजी में नहीं हैं। इस बीच ईरानी हमलों की वजह से हॉर्मुज स्ट्रैट पूरी तरह बंद हो चुका है। इधर लाल सागर में भी जंग की आग फैल चुकी है। ईरान समर्थित हुथी विद्रोहियों ने सऊदी अरब के तेल टैंकरों को निशाना बनाया था। इसके जवाब में सऊदी अरब की अगुवाई वाले गठबंधन ने यमन के होदेइदा इलाके में हुथी ठिकानों पर बमबारी की है। हालांकि सऊदी अरब ने दावा किया है कि उन्होंने होदेइदा बंदरगाह को नुकसान नहीं पहुंचाया है।

दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको पर खतरा

सना/रियाद। यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं, इसके बाद सऊदी के दो शहरों जिजान और यानबू पर खतरा मंडरा रहा है। सिविल डिफेंस ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया। शनिवार सुबह तीन पोस्ट्स के जरिए पहले खतरे को लेकर सतर्क किया गया, फिर सब कुछ सामान्य होने की सूचना दी गई। हालिया पोस्ट में यानबू को लेकर सचेत किया गया है। यह बंदरगाह शहर व्यावसायिक दृष्टि से काफी अहम है। यानबू पश्चिमी सऊदी अरब के मदीना प्रांत में लाल सागर तट पर स्थित एक औद्योगिक शहर है। लाल सागर पर जिद्दा के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है। बेहद खूबसूरत द्वीप पर्यटन का मुख्य केंद्र है। स्कूबा डाइविंग, कोरल रीफ्स और समुद्री गतिविधियों के लिए काफी पसंद किया जाता है। यही कारण है कि यमन से बढ़ती तल्खी के बीच इस क्षेत्र को लेकर सऊदी काफी फिक्रमंद है। यह चेतावनी ऐसे समय में जारी की गई है जब सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोही, दोनों ने एक दूसरे पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। हूती विद्रोहियों ने जिजान औद्योगिक शहर के एक अहम केंद्र और दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको से जुड़े तेल प्रतिष्ठान को भी निशाना बनाया। हमलों के बाद कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। वहीं, सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन के हुदैदाह में हूती विद्रोहियों के सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए। दरअसल, इससे पहले लाल सागर में सऊदी से जुड़े जहाजों को हूती विद्रोहियों ने निशाना बनाया था।

स्पेसएक्स के मेगा रॉकेट स्टारशिप की 13वीं परीक्षण उड़ान रही सफल

● वॉशिंगटन / (हि.स.)

अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने टेक्सास स्थित स्टारबेस से अपने मेगा रॉकेट स्टारशिप की 13वीं परीक्षण उड़ान सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। लॉन्च के लाइव प्रसारण (ब्रॉडकास्टिंग) में यह जानकारी दी गयी है। स्टारशिप रॉकेट ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय समयानुसार 22:51 बजे (भारतीय समय अनुसार शनिवार तड़के 4:21 बजे) उड़ान भरी।

रॉकेट के ऊपरी हिस्से ने परीक्षण उड़ान के दौरान हिंद महासागर में नियंत्रित तरीके से नीचे उतरने और पानी में सुरक्षित उतरने की प्रक्रिया पूरी की। रॉकेट अंतरराष्ट्रीय समयानुसार 23:57 बजे (भारतीय समय अनुसार शनिवार तड़के 5:27 बजे) हिंद महासागर में उतरा।

स्पेसएक्स के अनुसार, एक घंटे से कुछ ज्यादा समय तक चली इस उड़ान के दौरान 20 स्टारलिंक वी3 उपग्रहों का सफल उप-कक्षीय परीक्षण किया गया और अंतरिक्ष में रैप्टर इंजन को पुनः चालू करने में सफलता मिली। इससे पहले इस परीक्षण उड़ान को तीन बार टाला गया था। पहली उड़ान तकनीकी खराबी के कारण आखिरी मिनट में रद्द कर दी गयी थी। इसके बाद टेक्सास में खराब मौसम के कारण इसे दो बार और टालना पड़ा था।

कनाडा में भारतीय महिला की हत्या

ओटावा, आरएनएन। कनाडा के एडमोंटन में पंजाबी की एक 23 साल की भारतीय महिला की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने महिला की हत्या के आरोप में उसके पार्टनर को गिरफ्तार किया है।

मृतक की पहचान दमनप्रीत कौर के रूप में हुई है। दमनप्रीत पंजाब के लुधियाना के समराला निवासी थी। एडमोंटन पुलिस सर्विस ईपीएस के मुताबिक, 9 जुलाई 2026 को शाम करीब 6.44 बजे उन्हें सिल्वरबेरी इलाके में एक घर से कॉल मिली। वहां एक बेहोश महिला मिली थी जिसके शरीर पर चोटों के निशान थे।

रूस का यूक्रेन पर हमला 10 की मौत, 100 घायल

ड्रोन प्रदर्शनी को बनाया गया निशाना

● मास्को / (एजेंसी)

रूस ने यूक्रेन पर हमले तेज़ कर दिए हैं। हाल में बड़ा हमला राजधानी किएव के पास शुक्रवार को आयोजित ड्रोन तकनीक प्रदर्शनी पर हुआ, जहां बैलिस्टिक मिसाइल हमले में 10 लोगों की जान चली गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने बताया कि इस हमले में लगभग 100 लोग घायल हुए। प्रदर्शनी में रक्षा क्षेत्र से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी और विशेषज्ञ मौजूद थे। रूस ने भी इस हमले की पुष्टि की है। रूसी रक्षा मंत्रालय का दावा है कि यहां ऐसे ड्रोन प्रदर्शित किए जा रहे थे।

ग्रामीण भारत में सुनहरे करियर का नया विकल्प बने एमबीए (ग्रामीण प्रबंधन) और कृषि व्यवसाय प्रबंधन

चित्रकूट (दिव्य भारत ब्यूरो)। बदलते ग्रामीण भारत और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ एमबीए (ग्रामीण प्रबंधन) तथा एमबीए (कृषि व्यवसाय प्रबंधन) जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए द्वार खोल रहे हैं। कृषि, ग्रामीण विकास, स्वयं सहायता समूह, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), माइक्रो फाइनेंस, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) और सामाजिक उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित पेशेवरों की बढ़ती मांग ने इन पाठ्यक्रमों को भविष्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है।

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के ग्रामीण विकास एवं व्यवसाय प्रबंधन संकाय के अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) देवेंद्र प्रसाद पाण्डेय के अनुसार, भारत की लगभग 68 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। ऐसे में ग्रामीण विकास और कृषि व्यवसाय से जुड़े कुशल प्रबंधकों की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में एमबीए (ग्रामीण प्रबंधन) और एमबीए (कृषि व्यवसाय प्रबंधन) जैसे रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

इन पाठ्यक्रमों की विशेषता केवल कक्षागत अध्ययन तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को फील्ड वर्क, सर्वेक्षण, केस स्टडी, प्रोजेक्ट, प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया जाता है। इससे छात्र पढ़ाई के दौरान ही ग्रामीण विकास की वास्तविक चुनौतियों और उनके समाधान से परिचित होते हैं। प्रो. पाण्डेय ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों के बाद विद्यार्थियों के लिए सरकारी और निजी क्षेत्र, बैंक, कृषि व्यवसाय कंपनियां, माइक्रो फाइनेंस संस्थान, सहकारी संस्थाएं, गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), सीएसआर परियोजनाएं, कृषि विपणन, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, शोध संस्थान और अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसियों में रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। विद्यार्थी ग्रामीण प्रबंधक, परियोजना प्रबंधक, शोधकर्ता, नीति विश्लेषक, विकास अधिकारी, सीएसआर अधिकारी, माइक्रो फाइनेंस विशेषज्ञ और प्रशिक्षण विशेषज्ञ जैसे पदों पर कार्य कर सकते हैं। वहीं, उच्च शिक्षा और शोध में रुचि रखने वाले छात्र पीएचडी कर विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में अध्यापन का भी विकल्प चुन सकते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में कृषि आधारित स्टार्टअप, जैविक खेती, डेयरी, मूल्य संवर्धन, ग्रामीण पर्यटन, किसान उत्पादक संगठन तथा सामाजिक उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में भी इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से स्वरोजगार की व्यापक संभावनाएं विकसित हुई हैं। इससे युवा केवल नौकरी तक सीमित न रहकर स्वयं उद्यमी भी बन सकते हैं। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी विशेषता ग्रामीण जीवन से उसका सीधा जुड़ाव है। यहां प्रत्येक विद्यार्थी सप्ताह में दो दिन गांवों में फील्ड वर्क करता है, जहां वह ग्राम पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों, किसान उत्पादक संगठनों, एनजीओ, माइक्रो फाइनेंस संस्थाओं और विभिन्न विकास परियोजनाओं के साथ कार्य करते हुए व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करता है। प्रथम वर्ष के बाद 45 दिनों का समर प्रशिक्षण तथा द्वितीय वर्ष के बाद 45 दिनों की इंटर्नशिप अनिवार्य है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पेड इंटर्नशिप के अवसर भी उपलब्ध कराए जाते हैं।

पाठ्यक्रम में ग्रामीण विकास, कृषि व्यवसाय प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, परियोजना प्रबंधन, माइक्रो फाइनेंस, आजीविका संवर्धन, डेयरी प्रबंधन, एनजीओ प्रबंधन, विपणन, मानव संसाधन प्रबंधन, उद्यमिता और शोध पद्धति जैसे समसामयिक विषय शामिल हैं, जिससे विद्यार्थियों का समग्र व्यावसायिक विकास सुनिश्चित होता है।

प्रो. पाण्डेय ने बताया कि जहां देश के कई प्रतिष्ठित संस्थानों में ऐसे पाठ्यक्रमों की फीस लाखों रुपये होती है, वहीं महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में लगभग 68,000 प्रतिवर्ष के शुल्क पर गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया सामान्यतः अप्रैल से जून के बीच प्रारंभ होती है और इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कोई युवा ग्रामीण भारत के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के साथ सम्मानजनक और स्थायी करियर बनाना चाहता है, तो एमबीए (ग्रामीण प्रबंधन) और एमबीए (कृषि व्यवसाय प्रबंधन) उसके लिए एक उत्कृष्ट और भविष्य उन्मुख विकल्प साबित हो सकते हैं।

5000 मीटर की ऊंचाई पर भी दुश्मनों के ड्रोनों का काल बनेगा भार्गवास्त्र

● नागपुर / (हि.स.)।

हवाई हमलों और खतरनाक ड्रोन स्वार्म के बढ़ते खतरों से निपटने के लिए भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। एसडीएएल ने महाराष्ट्र के नागपुर में इंडियन आर्मी के प्रतिनिधिमंडल के सामने पूरी तरह स्वदेशी और मल्टी-लेयर काउंटर-ड्रोन सिस्टम भार्गवास्त्र का सफल ट्रायल हुआ। भार्गवास्त्र देश में बना, गाड़ी पर लगने वाला, मल्टी-लेयर काउंटर-स्वार्म ड्रोन सिस्टम है। इसे हथियारबंद ड्रोन, लोइटरिंग म्यूनिशन और ऑटोनॉमस ड्रोन स्वार्म के तेजी से बढ़ते खतरों से किफायती और बहुत असरदार सुरक्षा देने के लिए डिजाइन किया गया है।

माइक्रो-मिसाइलों का इस्तेमाल

सिस्टम में देश में डिजाइन और विकसित किए गए अनगाइडेड रॉकेट और सटीक निशाना लगाने वाली माइक्रो-मिसाइलें इस्तेमाल की गई हैं। इन्हें मल्टी-लेयर एंगेजमेंट आर्किटेक्चर में व्यवस्थित किया गया है, जो दुश्मन के यूएवी को बेअसर करने का बहुत असरदार और किफायती तरीका देता है। इसे भारतीय सशस्त्र बलों के मौजूदा कमांड, कंट्रोल, कम्युनिकेशन और इंटेलिजेंस नेटवर्क के साथ आसानी से जोड़ने के लिए भी डिजाइन किया गया है, जिससे भविष्य के नेटवर्क-सेंट्रिक ऑपरेशन्स में इसका इस्तेमाल किया जा सके।

आज का इतिहास

- 1844: भारत के प्रमुख शिक्षाविद् गुरुदास बनर्जी का जन्म।
- 1874: महाराष्ट्र के प्रसिद्ध समाज सुधारक और दलितों के हितैषी छत्रपति साहू महाराज का जन्म।
- 1876: कलकत्ता में इंडियन एसोसिएशन की स्थापना।
- 1945: विंस्टन चर्चिल ने ब्रिटेन के पीएम पद से इस्तीफा दिया।
- 1951: नीदरलैंड ने जर्मनी के साथ युद्ध खत्म किया।
- 1953: कम्युनिस्ट क्रांतिकारी फ़िदेल कास्त्रो के नेतृत्व में क्यूबा की क्रांति की शुरुआत।
- 1956: मिस्र ने स्वेज नहर पर कब्ज़ा किया।

अच्छी खबर भारत का 45वां और उत्तर प्रदेश का चौथा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया

सारनाथ को मिला यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा

● लखनऊ/ वाराणसी / (एजेंसी)

भगवान बु[illegible] स्थली सारनाथ को 28 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया है। इसके साथ ही सारनाथ भारत का 45वां तथा उप्र का चौथा विश्व धरोहर स्थल बन गया है। इस उपलब्धि से प्रदेश के बौद्ध पर्यटन परिपथ (बौद्ध सर्किट) को वैश्विक स्तर पर नई पहचान और गति मिलने की उम्मीद है।

यह निर्णय दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में यह घोषणा की गई। सारनाथ को तीन जुलाई 1998 को यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल किया गया था और लगभग 28 वर्षों बाद इसे स्थायी विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त हुआ है। अब तक उप्र के तीनों विश्व धरोहर स्थल

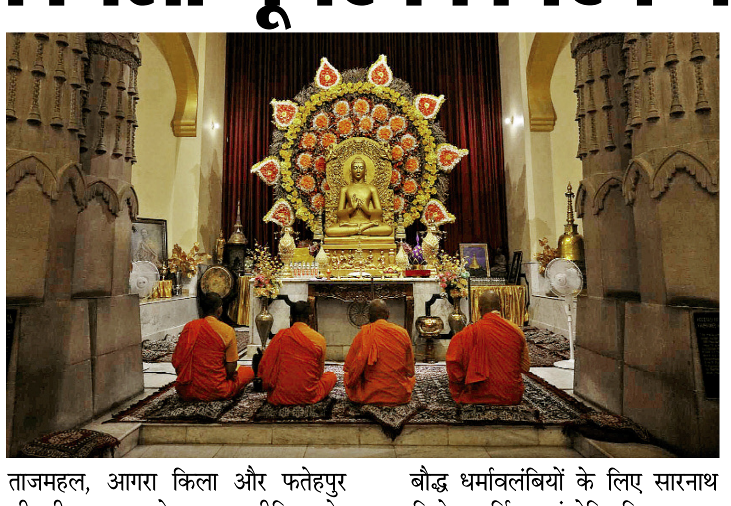

ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी आगरा क्षेत्र तक सीमित थे। सारनाथ के शामिल होने से राज्य की विश्व धरोहर पहचान पूर्वांचल तक विस्तारित हो गई है और प्रदेश की समृद्ध बौद्ध विरासत को वैश्विक मंच पर नई प्रतिष्ठा मिली है।

बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए सारनाथ का विशेष धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व है। यहीं भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपनी प्रथम धर्मदेशना धम्मचक्र प्रवर्तन दी थी, जिससे बौद्ध संघ की स्थापना हुई और धम्म के प्रचार-प्रसार का सूत्रपात हुआ।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर खुशी जताते हुए इसे प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का क्षण बताया और कहा कि यह भारत की समृद्ध सभ्यतागत तथा आध्यात्मिक विरासत का वैश्विक सम्मान है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह

शेखावत तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस उपलब्धि पर देशवासियों को बधाई दी है। मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा सारनाथ का भगवान बुद्ध से गहरा संबंध है, जिनका ज्ञान, करुणा और सद्भाव का कालजयी संदेश आज भी पूरी दुनिया को प्रेरित करता है। यह सम्मान भारत की समृद्ध सभ्यतागत और आध्यात्मिक विरासत का वैश्विक सम्मान है। मुझे विश्वास है कि इस मान्यता से दुनिया भर के अधिक लोग सारनाथ आयेंगे और भगवान बुद्ध के आदर्शों तथा उनके संदेश से जुड़ने के लिए प्रेरित होंगे।

नेपाल नहीं हटाएगा एक के सिक्के से विवादित नक्शा

● काठमांडू / (एजेंसी)

नेपाल अपने नए डिजाइन वाले एक रुपये के सिक्के पर विवादित नक्शा ही जारी रखेगा। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने शनिवार को कहा कि नए सिक्के पर लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को नेपाल के हिस्से के रूप में दिखाया जाएगा।

नेपाल इन क्षेत्रों पर अपना दावा करता है, जबकि भारत का कहना है कि लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी उत्तराखंड का हिस्सा हैं। भारत का यह भी कहना है कि इस मुद्दे का समाधान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता के जरिए होना चाहिए। नेपाल में तत्कालीन के.पी. शर्मा ओली सरकार ने मई 2020 में इन क्षेत्रों को अपने आधिकारिक नक्शे में शामिल किया था। नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने कहा कि केंद्रीय बैंक देश के नए नक्शे वाला एक रुपये का सिक्का जारी करेगा, जिसमें इन क्षेत्रों को नेपाल का हिस्सा दिखाया जाएगा।

20 जुलाई को नेपाल सरकार ने एक रुपये के सिक्के पर बने नेपाल के नक्शे की जगह एक बौद्ध मठ की तस्वीर लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। हालांकि, विपक्षी दलों और आम जनता के दबाव के बाद सरकार ने अपने फैसले में बदलाव किया है।

संपादकीय

क्या इस्तीफा ही समाधान है या शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की शुरूआत?

देश की शिक्षा व्यवस्था केवल पाठ्यक्रम, परीक्षाओं और डिग्रियों तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह करोड़ों युवाओं के सपनों, उनके भविष्य और राष्ट्र की प्रतिभा पर आधारित होती है। ऐसे में यदि प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगें, पेपर लीक की घटनाएं लगातार सामने आएं और लाखों अभ्यर्थी सड़कों पर उतरने को मजबूर हो जाएं, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी गंभीर चिंता का विषय बन जाता है।

यदि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा वास्तव में व्यापक छात्र आंदोलनों, जनदबाव और परीक्षा प्रणाली को लेकर उठे सवालों की पृष्ठभूमि में हुआ है, तो यह राजनीतिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण घटना मानी जाएगी। इसे केवल एक व्यक्ति के पद छोड़ने तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता, बल्कि यह शासन की जवाबदेही, लोकतांत्रिक दबाव और जनभावनाओं के प्रभाव का संकेत भी हो सकता है।

किसी भी लोकतंत्र में जन-आंदोलन तभी प्रभावी होते हैं, जब वे शांतिपूर्ण, व्यापक और जनहित से जुड़े हों। युवाओं ने लंबे समय तक परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही की मांग उठाई। यदि सरकार ने उस असंतोष को गंभीरता से लिया और नैतिक जिम्मेदारी तय करने का प्रयास किया, तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सकारात्मक पक्ष माना जा सकता है। दूसरी ओर, यह भी स्पष्ट करता है कि केवल व्यक्तियों को बदल देने से व्यवस्था की मूल समस्याएं समाप्त नहीं होतीं।

देश में पिछले कुछ वर्षों के दौरान विभिन्न भर्ती परीक्षाओं और प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक तथा अनियमितताओं के आरोपों ने युवाओं का विश्वास कमजोर किया है। लाखों अभ्यर्थी वर्षों तक तैयारी करते हैं, आर्थिक और मानसिक दबाव झेलते हैं, लेकिन जब परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं, तो सबसे अधिक आघात उनके मनोबल पर पड़ता है। यह केवल एक परीक्षा का संकट नहीं, बल्कि प्रतिभा और परिश्रम पर आधारित व्यवस्था की विश्वसनीयता का प्रश्न है।

राजनीतिक स्तर पर इस घटनाक्रम की अलग-अलग व्याख्याएं होंगी। विपक्ष इसे छात्रों और युवाओं की जीत बताएगा, जबकि सत्तारूढ़ पक्ष इसे जवाबदेही और छात्र हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाला निर्णय बताएगा। लोकतंत्र में दोनों पक्ष अपनी-अपनी राजनीतिक दृष्टि रख सकते हैं, लेकिन वास्तविक कसौटी आने वाले समय में होगी। यदि इस्तीफे के बाद भी परीक्षा प्रणाली में वही कमियां बनी रहती हैं, तो यह कदम केवल प्रतीकात्मक बनकर रह जाएगा। यदि इसके साथ ठोस संस्थागत सुधार होते हैं, तो इसका प्रभाव दूरगामी हो सकता है।

आज आवश्यकता केवल कठोर कानून बनाने की नहीं, बल्कि परीक्षा प्रक्रिया को तकनीकी रूप से सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की है। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही, समयबद्ध जांच, दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई और अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा इन सभी पहलुओं पर समान रूप से काम करना होगा। साथ ही, छात्रों और सरकार के बीच विश्वास बहाल करना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

युवाओं का भविष्य किसी भी सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। प्रतियोगी परीक्षाएं केवल नौकरी या प्रवेश का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समान अवसर की आधारशिला हैं। यदि इस व्यवस्था पर लोगों का भरोसा डगमगाता है, तो उसका असर पूरे समाज पर पड़ता है।

इसलिए यह समय राजनीतिक लाभ-हानि से आगे बढ़कर शिक्षा व्यवस्था में व्यापक और स्थायी सुधार करने का है। यदि वर्तमान घटनाक्रम उस दिशा में निर्णायक कदम साबित होता है, तभी इसे वास्तविक परिवर्तन माना जाएगा। आखिरकार, किसी मंत्री का इस्तीफा अंत नहीं, बल्कि उस सुधार यात्रा की शुरूआत होना चाहिए, जिसका उद्देश्य देश के प्रत्येक युवा को निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली उपलब्ध कराना है।

जंतर-मंतर : आंदोलन का अंत या कानून की हार? सवाल अब भी बाकी है!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

संवाद लोकतंत्र की शक्ति है, किंतु यदि हिंसा पर भी समझौता होने लगे तो सबसे बड़ा सवाल संविधान और कानून के शासन पर खड़ा होता है। वस्तुतः लोकतंत्र की असली ताकत इस बात से मापी जाती है कि वहां कानून कितना सर्वोपरि है। जनता को अपनी बात कहने का अधिकार है, सरकार पर जनता की बात सुनने का दायित्व है और दोनों के बीच संवाद लोकतंत्र की परस्पर की धुरी एवं स्व चेतना है, किंतु यदि किसी आंदोलन का अंत इस तरह हो कि उसके साथ कानून का सम्मान भी समझौते की मेज पर रख दिया जाए, तब सवाल उठना स्वभाविक है।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपना आंदोलन समाप्त करने की घोषणा कर दी। आंदोलनकारियों ने कहा कि उनकी प्रमुख मांगें स्वीकार कर ली गई हैं। अच्छा है, लोकतंत्र में बातचीत से समाधान निकलना स्वागतयोग्य है। यदि किसी बड़ी प्रशासनिक विफलता पर राजनीतिक जवाबदेही तय होती है और पीड़ितों को राहत मिलती है, तो निश्चित ही यह लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया और सफलता है। पर जब इन मांगों में आन्दोलनकारी अनुचित मांग सरकार से करें और सरकार उन्हें स्वीकार कर ले, तब अवश्य चिंता पैदा होने लगती है।

सभी को पता है कुछ दिन पहले दिल्ली में क्या हुआ था, सबके बीच प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई, पुलिस पर हमला हुआ और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया, ऐसे में सवाल यह है कि क्या ऐसे मामलों में भी कानून का पहिया रुक जाना चाहिए?

भारत का संविधान नागरिकों को अनुच्छेद 19(1)(ब) के तहत शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है, किंतु इसी के साथ यही संविधान यह भी स्वीकार करता है कि सार्वजनिक व्यवस्था, कानून और राज्य की सुरक्षा बनाए रखना सरकार का दायित्व है। अर्थात विरोध का अधिकार है, लेकिन हिंसा का अधिकार नहीं है। यही कारण है कि देश की सर्वोच्च अदालत भी अनेक अवसरों पर स्पष्ट कर चुकी है कि विरोध-प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, किंतु सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना या कानून-व्यवस्था को चुनौती देना किसी भी प्रकार से वैध नहीं माना जा सकता।

दिल्ली पुलिस पहले ही दावा कर चुकी है कि जंतर-मंतर पर लगाए गए फेशियल रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) की सहायता से 2500 से अधिक ऐसे लोगों की पहचान की जा चुकी है, जिनका पूर्व से आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। अभी तक 15 एफआईआर दर्ज हुई हैं। ये ठीक है कि इन दावों की सत्यता और उनसे जुड़े आरोपों का अंतिम निर्णय न्यायालय करेगा, किंतु यदि पुलिस ने विधिसम्मत जांच शुरू की है, तो क्या उसका विधिवत निष्कर्ष भी न्यायिक प्रक्रिया से ही नहीं निकलना चाहिए? क्या इस तरह से अपराधियों को राजनीतिक समझौते के तहत छोड़ा जाना उचित है?

वस्तुतः अब तक का अनुभव यही रहा है कि आंदोलनों के दौरान हुई हिंसा को लेकर सरकारें और न्यायालय दोनों समय-समय पर कठोर रुख अपनाते रहे हैं। वर्ष 2007-09 के दौरान सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वाली घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने इन रेः डिस्ट्रक्शन ऑफ पब्लिक एंड प्राइवेट प्रॉपर्टीज बनाम स्टेट ऑफ आंध्र प्रदेश (2009) मामला, प्रकरण में स्पष्ट किया था कि हिंसक प्रदर्शनों के दौरान संपत्ति की क्षति की जवाबदेही तय करने के लिए प्रभावी तंत्र होना चाहिए। न्यायालय ने यह भी माना कि सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान अंततः जनता के धन का नुकसान है और इसकी भरपाई के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों की पहचान और दायित्व तय होना चाहिए।

पिछले कुछ वर्षों में भी अनेक राज्यों ने दंगों और हिंसक प्रदर्शनों के बाद सार्वजनिक संपत्ति की क्षति की वसूली के लिए विशेष व्यवस्थाएं लागू कीं। उत्तर प्रदेश का योगी मॉडल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, वहां हिंसक घटनाओं के बाद आरोपित व्यक्तियों से क्षतिपूर्ति की कार्रवाई व्यापक चर्चा का विषय बनती ही रहती है। मध्य प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों में भी ऐसे मामलों में संपत्ति से क्षति की भरपाई की जाती है। अब भले ही इन कदमों का समर्थन हो या विरोध, लेकिन एक सिद्धांत लगभग हर सरकार ने स्वीकार किया कि हिंसा करने वाला व्यक्ति सिर्फ इसलिए कानून से ऊपर नहीं हो सकता क्योंकि वह किसी आंदोलन का हिस्सा था।

यही कारण है कि आज यदि किसी भी आंदोलन के संदर्भ में यह धारणा बनती है कि हिंसा या तोड़फोड़ से जुड़े मामलों को भी राजनीतिक समझौते के तहत समाप्त किया जा सकता है, तो यह स्वाभाविक रूप से गंभीर संवैधानिक बहस का विषय बनता है। क्योंकि आज जो छूट एक समूह को मिलेगी, कल वही मांग दूसरा समूह भी करेगा। तब कानून का समान अनुप्रयोग कैसे सुनिश्चित होगा?

यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि पुलिस का आरोप अंतिम सत्य नहीं होता। किसी भी व्यक्ति को दोषी या निर्दोष घोषित करने का अधिकार न्यायपालिका के पास है। यदि किसी निर्दोष प्रदर्शनकारी के विरुद्ध केवल आंदोलन में शामिल होने के कारण मामला दर्ज हुआ है, तो उसे राहत मिलनी चाहिए। परन्तु यदि किसी व्यक्ति के विरुद्ध हिंसा, आगजनी, पुलिस पर हमला या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के ठोस आरोप हैं, तो उनकी जांच और न्यायिक प्रक्रिया पूरी होना ही कानून के शासन की कसौटी है।

ऐसे में इस पूरे घटनाक्रम से सरकार के सामने भी एक बड़ी जिम्मेदारी खड़ी होती है। संवाद करना उसका कर्तव्य है, लेकिन कानून लागू करना भी उसका ही दायित्व है। यदि सरकार पीड़ितों को मुआवजा देती है, प्रशासनिक जवाबदेही तय करती है, तो यह स्वागतयोग्य कदम हैं। किंतु यदि हिंसा से जुड़े मामलों पर कोई निर्णय लिया जाता है, तो वह पारदर्शी, विधिसम्मत और तथ्यों पर आधारित होना चाहिए। इससे यह संदेश जाएगा कि सरकार राजनीतिक समाधान और आपराधिक न्याय प्रक्रिया के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखती है।

आंदोलनकारी संगठनों को भी यह समझना होगा कि किसी भी जनांदोलन की सबसे बड़ी पूंजी उसकी नैतिक शक्ति है। शांतिपूर्ण आंदोलन समाज का समर्थन प्राप्त करते हैं, जबकि हिंसक घटनाएं आंदोलन की नैतिक वैधता को कमजोर कर देती हैं। यदि आंदोलन के भीतर असामाजिक तत्व घुस आते हैं, तो उनकी पहचान कर उन्हें कानून के हवाले करना स्वयं आंदोलन के हित में होता है।

अंततः प्रश्न किसी एक आंदोलन का नहीं है। प्रश्न यह है कि भारत को आखिर हम क्या बना देना चाहते हैं? वास्तविकता में सही ओर सफल लोकतंत्र तो वही है, जहां बातचीत हो, सरकार जवाबदेह हो, विरोध का अधिकार सुरक्षित रहे, पर अपराधी भी सजा पाएं। अतः आज सबसे बड़ा प्रश्न यही है, यदि पहले सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों से क्षतिपूर्ति कराई जाती रही है, यदि अनेक मामलों में हिंसक प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की गई है, तो किसी भी नए मामले में मानदंड अलग क्यों हों?

वस्तुतः किसी भी शासन को यह नहीं भूलना चाहिए कि कानून की सबसे बड़ी शक्ति उसकी समानता है। यदि उसका अनुप्रयोग परिस्थितियों, दबाव या राजनीतिक समझौतों के अनुसार बदलने लगे, तो यह स्थिति कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाएगी। साथ ही लोकतंत्र में जनता के विश्वास को भी कमजोर करेगी। अच्छा हो कि केंद्र की मोदी सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार करे और जो प्रदर्शन के दौरान हिंसा करने के उत्तरदायी एवं अपराधी हैं, उन्हें नियमानुसार विधि सम्मत सजा अवश्य दिलवाए।

स्वस्थ भारत की दिशा में शुभ संकेत है प्राकृतिक खेती का बढ़ना!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की कृषि क्रांति आज उत्पादन सफलता की वो कहानी कह रही है, जिससे कि विश्व के 150 से अधिक देश लाभान्वित हो रहे हैं, ऐसे में अब प्रश्न यह है कि जो अन्न हमारी थाली तक पहुंच रहा है, वह कितना सुरक्षित है, कितना पौष्टिक है और आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य को कितना सशक्त बना सकेगा। वस्तुतः पिछले कई दशकों में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग ने कृषि उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि तो की, किंतु इसके साथ ही मिट्टी की उर्वरता, जल स्त्रोतों की गुणवत्ता, जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रश्न भी खड़े कर दिए। कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, मधुमेह, एलर्जी और अनेक गैर-संचारी रोगों के बढ़ते मामलों के बीच अब पूरी दुनिया टिकाऊ और प्राकृतिक कृषि की ओर लौट रही है, जिसमें कि भारत इसी परिवर्तन का नेतृत्व करता दिखाई दे रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले बारह वर्षों में प्राकृतिक खेती को स्वस्थ किसान, स्वस्थ मिट्टी, स्वस्थ पर्यावरण और स्वस्थ भारत के राष्ट्रीय अभियान के रूप में स्थापित करने का प्रयास हुआ है। यही कारण है कि आज प्राकृतिक खेती का बढ़ता दायरा देश के भविष्य की नई दिशा का संकेत बन गया है।

बारह वर्षों में बदली कृषि विकास की सोच

वर्ष 2014 के बाद केंद्र सरकार ने कृषि नीति को उत्पादन-केंद्रित दृष्टिकोण से बाहर निकालना आरंभ कर दिया था। उद्देश्य यह रखा गया कि कृषि स्वास्थ्य लाभ के वैज्ञानिक नजरिए से हो। कहना होगा कि इसका पहला बड़ा कदम वर्ष 2015 में शुरू की गई मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना थी। पहली बार किसानों को उनकी भूमि की वास्तविक स्थिति का वैज्ञानिक विश्लेषण उपलब्ध कराया गया, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि खेत को वास्तव में किन पोषक तत्वों की आवश्यकता है। तब परिणाम में दिखा कि इससे उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग पर नियंत्रण संभव हुआ और संतुलित पोषण की संस्कृति विकसित होने लगी।

आज इसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। केंद्र सरकार के अनुसार 25.89 करोड़ से अधिक मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा चुके हैं जोकि करोड़ों किसानों तक वैज्ञानिक कृषि ज्ञान पहुंचाने का सबसे बड़ा अभियान बन चुका है। इससे संतुलित उर्वरक उपयोग से जहां खेती की लागत कम हुई है, वहीं मिट्टी की जैविक गुणवत्ता में सुधार और दीर्घकालिक उत्पादकता बढ़ाने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है।

प्राकृतिक खेती अब राष्ट्रीय अभियान है

प्राकृतिक खेती को प्रारंभिक प्रयोगों से निकालकर व्यापक जनभागीदारी वाले कार्यक्रम का स्वरूप देने के लिए केंद्र सरकार ने नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग को गति प्रदान की है। ताजा सरकारी आंकड़ों पर नजर डालें तो दिखाई यही देता है कि यह मिशन अब 18,786 क्लस्टरों तक पहुंच चुका है, जो 8.80 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हैं। देश के अनेक राज्यों में लाखों किसान प्राकृतिक खेती, जैविक खेती अथवा कम-रासायनिक कृषि पद्धतियों को अपना रहे हैं।

विशेष रूप से आंध्र प्रदेश की सामुदायिक प्राकृतिक खेती, हिमाचल प्रदेश की प्राकृतिक कृषि खुशहाल किसान योजना, गुजरात, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के विभिन्न मॉडल यह सिद्ध कर रहे हैं कि यदि नीति सही दिशा में हो, प्रशिक्षण और बाजार का उचित सहयोग मिलना आरंभ हो जाए तो किसान स्वेच्छा से रसायन आधारित खेती से बाहर निकलने को तैयार हैं, इसीलिए ही आज प्राकृतिक खेती राष्ट्रीय कृषि विमर्श का केंद्रीय विषय बन चुकी है।

मिट्टी की सेहत सुधरेगी, तभी भोजन बनेगा अमृत

भारतीय परंपरा में धरती को माता कहा गया है। यदि माता ही बीमार होगी तो उससे प्राप्त अन्न भी पूर्णतः पोषक नहीं हो सकता। यही वैज्ञानिक सत्य आज आधुनिक कृषि विज्ञान भी स्वीकार कर रहा है। मिट्टी में जैविक कार्बन, सूक्ष्म पोषक तत्व और लाभकारी जीवाणुओं की पर्याप्त मात्रा ही गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न की आधारशिला है।

इसी उद्देश्य से सरकार ने एग्रीकल्चरल टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एजेंसियों (आत्मा) और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के माध्यम से अब तक करीब 7.17 लाख प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक खेती, जैविक पोषण, सूक्ष्म पोषक तत्वों के संतुलित उपयोग और जल संरक्षण की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही 70,002 कृषि सखियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है, जो गांव-गांव जाकर किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य और प्राकृतिक कृषि के प्रति जागरूक बना रही हैं।

सरकार ने यह भी समझा है कि कृषि सुधार सिर्फ किसानों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, इसलिए स्कूल सॉइल हेल्थ प्रोग्राम के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 4,430 विद्यालयों तथा 1,29,167 विद्यार्थियों को इस अभियान से जोड़ा गया है। यह आने वाली पीढ़ी को प्रकृति और कृषि के बीच के संबंध को समझाने की दूरदर्शी पहल है।

स्वास्थ्य की रक्षा का सबसे प्रभावी माध्यम

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) समय-समय पर यह संकेत देते रहे हैं कि कृषि रसायनों का विवेकपूर्ण उपयोग अत्यंत आवश्यक है। अनेक वैज्ञानिक अध्ययनों में यह पाया गया है कि कीटनाशकों के अत्यधिक और लंबे समय तक संपर्क में रहने वाले लोगों में कुछ प्रकार के कैंसर, तंत्रिका तंत्र संबंधी विकार, हार्मोनल असंतुलन तथा प्रजनन संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है। यद्यपि किसी एक बीमारी का कारण अकेला भोजन नहीं होता, फिर भी सुरक्षित, कम-रासायनिक और अवशेष-मुक्त खाद्य पदार्थ बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यही कारण है कि प्राकृतिक खेती आज किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम तो बन ही रही है, पर इससे अधिक यह देश के करोड़ों नागरिकों को सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने का भी सशक्त अभियान बनती जा रही है। जब खेतों में रासायनिक उर्वरकों और जहरीले कीटनाशकों की निर्भरता घटेगी, तब थाली तक पहुंचने वाला अन्न भी अधिक प्राकृतिक, अधिक पौष्टिक और अधिक सुरक्षित होगा। यही स्वस्थ भारत की सबसे मजबूत नींव है, जिसकी ओर तेजी से इन दिनों भारत चलता हुआ नजर आ रहा है।

जंतर-मंतर से शिक्षा

गिरीश्वर मिश्र

पिछले कुछ दिनों से राजनीति के हलकों में शिक्षा का विषय अनायास ही चर्चा में चुका है। सबकी जुबान वर्तमान शिक्षा-तंत्र को सुधारने की रट लगा रही है। लगता है शिक्षा की समस्याओं और उनके समाधान को लेकर देश के कर्णधारों में सद्भावना जगी है। इसमें सभी शिक्षा-प्रेमियों को आशा की किरण दिख रही है। निश्चय ही एक अच्छी बात है कि शिक्षा की समस्या की तरफ राजनीतिक तंत्र का ध्यान आकृष्ट हुआ है। विपक्ष के नेता आज युवा छात्र समुदाय के हित की चिंता करने में भरसक जी जान से जुटे हुए हैं। संसद से सड़क तक आक्रामक रुख के साथ ज्यादातर विपक्षी दल अपनी राजनैतिक उपस्थिति दर्ज कराने के लिए आज समर्पित दिख रहा है। आईएनडीआईए के बिखरते कुनबे के सदस्य आंदोलन के जरिए अपनी माँग पर खड़े दिख रहे हैं। उनकी माँग है कि वर्तमान शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें। तर्क है कि उनकी मुखियागिरी में हुई नीट की परीक्षा में पेपर लीक हुआ और लाखों युवा परीक्षार्थियों और उनके परिजनों को तरह-तरह की मुसीबतों का सामना करना पड़ा इसलिए जिम्मेदारी लेते हुए उनको इस्तीफा देना चाहिए या सरकार को उनसे इस्तीफा के लेना चाहिए।

अभी-अभी जन्मी काक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) और सोनम वांगचुक, जो लद्दाख के समाजकर्मी हैं और अध्यापक की पृष्ठभूमि वाले हैं, आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। वांगचुक ने 26 दिनों से चल रहे अनशन को तोड़ दिया है। साठ साल के हो रहे वांगचुक अपने अस्पताल से दिए गए वीडियो-संदेश में सबसे शांति और अहिंसा के साथ लड़ाई की बात करते हैं। विपक्षी राजनीति इस अवसर पर अपना विपक्षी धर्म निभाने में जुट गई है। वह संसद के मानसून सत्र को चलने नहीं देने के लिए आमादा है। साथ ही सड़क पर और प्रधानमंत्री आवास पर मार्च और धरना-प्रदर्शन में जुटा रहा है। देशव्यापी मार्च की योजना है। ये नेता शिक्षा में सुधार ले आने की बात भी कहते हैं पर मंत्री के इस्तीफे से ज्यादा सुधार की कोई बात अभी तक सामने नहीं आई है। इन नेताओं को शिक्षा से कभी खास लेना-देना नहीं रहा है, इसलिए वे राजनीतिक अवसर के रूप में ले रहे हैं। इसके बावजूद यदि वे शिक्षा का नाम ले रहे हैं तो यह शिक्षा प्रेमियों के लिए महत्वपूर्ण है। यह बेहद जरूरी है कि शिक्षा-व्यवस्था पर समग्रता में विचार किया जाय। जंतर-मंतर शिक्षा जैसे गहन और गंभीर विषय पर बहुत सहायक न होगा। इस पर गंभीर चर्चा की जरूरत है और गलतियों को सुधार कर नई राह ढूँढने की आवश्यकता है। पेपर लीक होना कोई नई बात नहीं है। यह अपराध है जिसमें लिप्त लोगों को दंडित किया ही जाना चाहिए। अब तक उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश में पिछले दस-बारह सालों में कुल मिला कर लगभग डेढ़ सौ बार परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनायें जाहिरी तौर पर दर्ज हो चुकी हैं। सरकार ने इस बार के मामले में गिरफ़्तारी की है और इससे जुड़े लोगों को जेल भेजकर कार्रवाई की जा रही है। सरकार सख्ती से निपटने के लिए कानून भी बना रही है। फास्ट ट्रैक अदालत गठित कर मामलों पर त्वरित कार्रवाई की तैयारी हो रही है। यह अलग बात है कि ऐसे मामलों में कभी किसी की जिम्मेदारी तय नहीं हो पाती है। गंगा पर पुल गिर जाता है और यह तय नहीं हो पाता कि कौन जिम्मेदार है। गंगा जी ही शायद निगल गईं। उन्हें ही कुछ संदेश देना हो। यानी पेपर लीक बहुत-सी परीक्षाओं में जगह-जगह पर होता आ रहा है और लोगों को इसकी आदत-सी पड़ गई है। लेकिन साल्वर गैंग सक्रिय है और बोर्ड परीक्षा में नकल जिस पैमाने पर होती है वह कानून व्यवस्था का प्रश्न बन जाता है और कभी-कभी धारा 144 लगाने की नौबत आ जाती है। यह भी गौर करने की बात है कि इस साल हुई नीट की पहली परीक्षा जिसमें लीक हुआ था बीस लाख से अधिक छात्र बैठे थे। पेपर लीक होने से इन्हें बड़ी मुसीबत झेलनी पड़ी थी। सरकार ने चाक-चौबंद होकर दुबारा परीक्षा कराई जिसमें उन्नीस लाख से ज्यादा छात्र शामिल हुए और लीक जैसी दुर्घटना नहीं हुई। अब नीट की पुनर्परीक्षा का परिणाम आ चुका है जिसमें ग्यारह लाख से कुछ ज्यादे की संख्या में छात्र प्रवेश-योग्य पाये गए हैं। इनमें 58 प्रतिशत से अधिक छात्रायें हैं। वर्तमान में देशभर के 823 मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस में प्रवेश पाने के लिए कुल 1,36,939 सीटें ही उपलब्ध हैं। इसका आशय है प्रवेशार्थियों का मनोबल ऊंचा था और उन्होंने इस मुश्किल का डटकर मुकाबला किया। पर यह घटनाक्रम एक विकट संकट की ओर भी संकेत करता है। ये आंकड़े हमारी शिक्षा-प्रणाली की कमजोरियों और समाज की मानसिकता को लेकर बहुत कुछ कह रहे हैं। नीट में प्रवेश की मंशा पर भी सोचना होगा और जीविका के लिए उपलब्ध अवसरों पर भी गौर करना होगा। कम सीटों के नाते विशाल देश में प्रवेश के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा के दौर में सफलता को सुनिश्चित करने के लिए शॉर्टकट अपनाने को हर कोई मचल रहा है। नीट डाक्टरी के लिए प्रवेश द्वार और धनार्जन का प्रबल उपाय। चाहे जैसे हो और पात्रता भी हो न हो अपनी सीट सुरक्षित करवाने की धुन छात्रों और उनके माता-पिता कुछ भी धन और धर्म दोनों की कुरबानी देने के लिए उद्यत रहते हैं। लीक हुआ पेपर लाखों में बिका और इस व्यवसाय की कमाई बेइंतहा है। पेपर लीक की जो कथा उभर रही है वह बेईमानी की कई-कई परतों को खोल रही है। वह समाज में मूल्यों के क्षरण को व्यक्त करती है। यह तमाम तरह के शॉर्टकट से जुड़ी हुई है जो समाज को दीमक की तरह खा रहे हैं। ऐसे में शिक्षा की गुणवत्ता जिस तरह से गिर रही है। ऐसे में सफलता के लिए आतुर समाज में इस तरह की नैतिक दुर्घटनाएं स्वाभाविक हैं। आज सभी दल शिक्षा पर बात कर रहे हैं, पर गंभीरता किसी के दिल दिमाग में है, यह संदेहास्पद है। मंत्री का इस्तीफा देना या लेना प्रतीकात्मक असर वाला होगा, पर शिक्षा सुधार की कुंजी तो नहीं ही है। व्यापक राजनीतिक फसल काटने की ताक में सभी जरूर हैं। शिक्षा के सवाल क्या हैं और उनको समझने की कोशिश करने की बात कोई नहीं कर रहा। अगर मंत्री के सिवाय सब कुछ वही रहे, यथावत, तो क्या पेपर लीक की समस्या का समाधान हो जाएगा? क्या पेपर्स लीक गलत है पर क्या वही शिक्षा की सारी समस्याओं की जड़ है? गौर करने की बात है। पेपर का लीक होना कोई स्वतंत्र समस्या नहीं है। आज कोई तत्काल कमाई करने के लिए तो कोई भविष्य की कमाई की राह बनाने के लिए ईमानदारी को बिना किसी संकोच के तिलांजलि दे रहा है। इसी के समानांतर पैसा देकर नौकरी देने और पाने की चेष्टा भी हो रही है। रुपया लेकर काम यानी सुविधा-शुल्क जग जाहिर बात है। जाने कितने आफिस ऐसे हैं जहाँ बिना किसी तरह की सिफारिश या घूस या दोनों के बिना कोई कागज टस से मस नहीं होता। धन के अवैध यातायात के साथ न्यायालय का बड़ा घनिष्ठ रिश्ता है इसके कई उदाहरण आ चुके हैं। न्याय कितनी मुश्किल और कितनी मंहगी प्रक्रिया से होता है वह कोर्ट के दरवाजे जाने वाले से पूछिए। कानूनी प्रक्रियाओं का हाल ऐसा है कि उनके उलझन में कोई राह नहीं मिलती। प्रतिदिन राजनीति प्रेरित कितने मुकदमे चलते

विष्णुजी योग निद्रा में, सृष्टि संचालन शिवजी के पास

डॉ. बृजेश सती

सनातन धर्म में चातुर्मास का विशेष आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व है। यह चार माह की पावन अवधि आत्मसंयम, तप, जप, साधना और ईश्वर भक्ति के लिए समर्पित मानी जाती है। इस दौरान साधु-संत एवं श्रद्धालु आध्यात्मिक उन्नति के लिए विशेष धार्मिक अनुष्ठान और नियमों का पालन करते हैं।

प्रत्येक वर्ष आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से चातुर्मास शुरू होता है। यह अवधि, तप, जप, ध्यान, संयम और भक्ति के लिए पवित्र मानी गई है। इस अवधि में भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं और सृष्टि संचालन शिवजी के पास आ जाता है।

यह समय सन्यासी और संत नदी के किनारे एक स्थान पर रहकर धर्मोपदेश एवं साधना करते हैं। चातुर्मास का समापन कार्तिक शुक्ल एकादशी (देवउठनी एकादशी) को होता है। चौमासे (दो माह) में श्रद्धालु व्रत, उपवास, दान-पुण्य, जप, पाठ तथा सात्विक जीवन अपनाकर आध्यात्मिक उन्नति का प्रयास करते हैं। दरअसल देवशयनी एकादशी से देवउठनी एकादशी के बीच की अवधि को चातुर्मास कहा जाता है। हालांकि बोलचाल में चौमासा यानी चार महीने, लेकिन यह दो माह का समय होता है। मान्यता के अनुसार इस दौरान भगवान विष्णु क्षीरसागर में शेषनाग की शैया पर योगनिद्रा में रहते हैं। इसलिए शास्त्रों में इस समय धार्मिक अनुष्ठानों, जप, तप और आत्म-संयम का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि जब भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं। तो सृष्टि के संचालन का दायित्व भगवान शिव संभालते हैं। इसलिए इस अवधि में शिव पूजा का अलग महत्व

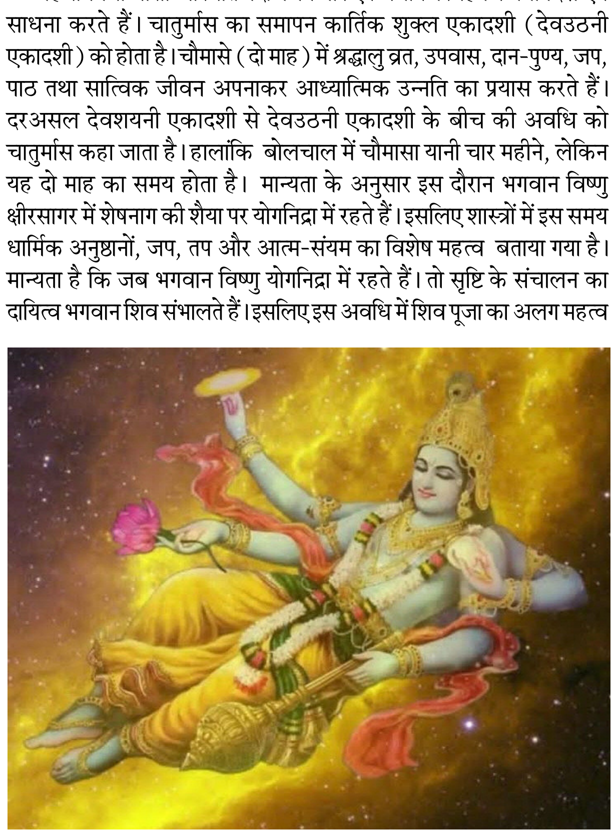

है। चातुर्मास्य व्रत संन्यासियों के साथ अन्य साधुओं और गृहस्थों के लिए भी महत्वपूर्ण है। जहां संन्यासियों के चतुर्मास नियम उपनिषदों पर आधारित हैं। वहीं अन्य साधुओं और गृहस्थियों के यह नियम पुराणों पर केंद्रित हैं। संन्यासियों के लिए यह कालावधि चार मास या चार पखवाड़े तक है। इसमें वो एक ही नगर, गांव या स्थान पर रहकर उपनिषद्, शास्त्र आदि का स्वाध्याय और सत्संग करते हैं। दण्डी संन्यासियों में चार पखवाड़े वाला नियम प्रचलित है। इसका संकल्प आषाढ़ मास की पूर्णिमा को लिया जाता है। इस दिन कोई सन्यासी किसी कारणवश पूर्णिमा से न आरम्भ कर सकें तो श्रावण कृष्ण पंचमी को शुरू कर सकते हैं। समापन भाद्रपद पूर्णिमा को होता है। अन्य साधुओं और गृहस्थों का व्रत पूरे चार मास का होता है। यह आषाढ शुक्ल एकादशी (हरिशयनी एकादशी) से लेकर कार्तिक शुक्ल एकादशी (हरि प्रबोधिनी एकादशी) तक है।

आषाढे तु सिते पक्षे एकादश्यामुपोषितः।
चातुर्मास्यव्रतं कुर्यात यत्किंचिन्नियतो नरः।।

गृहस्थों का चातुर्मास व्रत आहार पर केंद्रित है। कहा जाता है कि श्रावण में शाक, भादों में दही, आश्विन में दूध और कार्तिक माह में दाल का सेवन नहीं करना चाहिए। इसके अलावा शास्त्रों में बहुत से अन्य नियम बताए गए हैं। चातुर्मास के दौरान ब्रह्मचर्य, सत्य, सेवा, संयम, नियमित पूजा-पाठ, अध्ययन तथा ध्यान का पालन श्रेष्ठ माना गया है। इस अवधि में धार्मिक कार्यों में अधिक भागीदारी और आत्मिक उन्नति का प्रयास करना चाहिए।

कारगिल के दुर्गम पर्वतों पर अदम्य साहस की अमर कहानी

योगेश कुमार गोयल

देश आज कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मना रहा है। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए ऑपरेशन विजय के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन विजय की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया।

तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ।

भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया।

5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को ऑपरेशन विजय की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

★ क्लब NPC इंडिया को समर्पित ★

क्लब NPC इंडिया

शब्दवाणी समाचार का मासिक विशेषांक

राष्ट्रीय निर्माण एवं जनहित कार्यो में समर्पित व्यक्तित्वों की प्रेरक गाथाएँ, उपलब्धियों एवं विशेष समाचार

शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के साथ निशुल्क वितरित

विशेषांक ★ | साक्षात्कार ★ | उपलब्धियाँ ★ | समाचार ★ | प्रेरक व्यक्तित्व

निर्माण क्षेत्र, विकास और जनसरोकार के लिए

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1,
New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

मंगोलिया में ब्यूबोनिक प्लेग की दस्तक मार्मोट का मांस खाने से हुआ संक्रमण

उलानबटार, 25 जुलाई (एजेंसियां)। मंगोलिया के पश्चिमी खोव्द प्रांत में ब्यूबोनिक प्लेग के एक संदिग्ध मामले की प्रयोगशाला जांच में पुष्टि हुई है। राष्ट्रीय जूनोटिक रोग केंद्र (एनसीजेडडी) ने शुक्रवार को बताया कि अंतिम बैक्टीरियोलॉजिकल जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई।

एनसीजेडडी के अनुसार, संक्रमित व्यक्ति को पड़ोसी बायान-उल्गी प्रांत के उलानखुस क्षेत्र की यात्रा के दौरान मार्मोट (एक प्रकार की जंगली गिलहरी) का मांस खाने के बाद संक्रमण हुआ।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से मार्मोट का शिकार न करने, उसका मांस या आंतरिक अंग न छूने और मृत या बीमार जंगली कृंतकों के संपर्क से बचने की अपील की है। केंद्र ने चेतावनी दी कि ऐसी गतिविधियों से संक्रमण का खतरा काफी बढ़ जाता है। हालांकि मंगोलिया में मार्मोट के शिकार पर कानूनी प्रतिबंध है, लेकिन कुछ लोग अब भी इसे स्वादिष्ट भोजन मानते हैं, जिसके कारण अवैध शिकार जारी है। एनसीजेडडी के अनुसार, गर्मियों के महीनों में प्लेग फैलने का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि इस दौरान बड़ी संख्या में लोग ग्रामीण इलाकों की यात्रा करते हैं और कुछ लोग मार्मोट का मांस भी खाते हैं। पिछले वर्षों में भी इसी अवधि के दौरान मंगोलिया में ब्यूबोनिक प्लेग के कई मामले सामने आए हैं, जिनमें कुछ मरीजों की मौत भी हुई थी।

- स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से मार्मोट का शिकार न करने, उसका मांस या आंतरिक अंग न छूने और मृत या बीमार जंगली कृंतकों के संपर्क से बचने की अपील की
- मंगोलिया में मार्मोट के शिकार पर कानूनी प्रतिबंध है, लेकिन कुछ लोग अब भी इसे स्वादिष्ट भोजन मानते हैं, जिसके कारण अवैध शिकार जारी है

केंद्र ने बताया कि मंगोलिया के 21 में से 17 प्रांत वर्तमान में प्लेग प्रभावित या उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की श्रेणी में हैं। पिछले वर्ष सितंबर में देश में ब्यूबोनिक प्लेग के तीन मामलों की पुष्टि हुई थी, जिनमें से दो खुव्सगुल प्रांत के थे। सभी मरीजों का उपचार खुव्सगुल प्रांतीय जनरल अस्पताल में किया गया था। संक्रमितों के संपर्क में आए 80 लोगों को पृथक (आइसोलेट) कर स्थानीय अस्पतालों में इलाज दिया गया था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, ब्यूबोनिक प्लेग एक जीवाणुजनित (बैक्टीरियल) बीमारी है, जो जंगली कृंतकों, विशेषकर मार्मोट जैसे जानवरों पर रहने वाले पिस्सुओं के माध्यम से फैलती है। समय पर इलाज न मिलने पर यह बीमारी 24 घंटे के भीतर जानलेवा साबित हो सकती है।

डब्ल्यूएचओ का कहना है कि इतिहास में प्लेग ने कई बड़ी महामारियों को जन्म दिया, जिनमें 14वीं शताब्दी की 'ब्लैक डेथ' भी शामिल है, जिससे यूरोप में 5 करोड़ से अधिक लोगों की मौत हुई थी। हालांकि आज एंटीबायोटिक दवाओं और सामान्य सावधानियों की मदद से इस बीमारी का प्रभावी इलाज संभव है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, प्लेग ओशिनिया को छोड़कर सभी महाद्वीपों में पाया जाता है। 1990 के दशक के बाद से इसके अधिकांश मानव मामले अफ्रीका में दर्ज किए गए हैं। वर्तमान में डीआरसी, मेडागास्कर और पेरू इस बीमारी से सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल हैं।

बरसात के मौसम में हल्का भोजन करना फायदेमंद, तला-भुना, मसालेदार खाने से बचें

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। आयुर्वेद में ऋतु का विशेष महत्व बताया गया है। छह ऋतुओं के दौरान शरीर में वात, पित्त और कफ दोष, पाचन अग्नि तथा शारीरिक बल में परिवर्तन होते हैं। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए मौसम के अनुसार आहार में बदलाव करने की सलाह दी जाती है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, वर्षा ऋतु में पाचन अग्नि स्वाभाविक रूप से कमजोर हो जाती है। इससे भोजन का पाचन धीमा पड़ सकता है और पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में ताजा, हल्का और गर्म भोजन करना सबसे उपयुक्त माना जाता है।

बरसात के मौसम में अधिक आर्द्रता, ठंडी हवाओं और बादलों के कारण पाचन शक्ति प्रभावित होती है। गर्मी के मौसम में शरीर में इकट्ठा हुआ पित्त भी इस दौरान असंतुलित हो सकता है। ऐसे में तला-भुना, तैलीय और अधिक मसालेदार भोजन पचाने में कठिनाई होती है, जिससे अपच, गैस, पेट फूलना (ब्लोटिंग), एसिडिटी, पेट दर्द और जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके विपरीत, हल्का भोजन आसानी से पच जाता है और पेट पर अतिरिक्त बोझ नहीं डालता। हल्का भोजन शरीर को आवश्यक पोषण देने के साथ-साथ सुस्ती और भारीपन से भी बचाता है। मौसम में बदलाव के दौरान या रात के समय हल्का भोजन करने से नींद बेहतर आती है और वजन नियंत्रित रखने में भी मदद मिलती है। आधुनिक विज्ञान के अनुसार भी कमजोर पाचन की स्थिति में हल्का भोजन मेटाबॉलिज्म के लिए भी बेहतर होता है।

बरसात के मौसम में अधिक आर्द्रता, ठंडी हवाओं और बादलों के कारण पाचन शक्ति प्रभावित होती है। गर्मी के मौसम में शरीर में इकट्ठा हुआ पित्त भी इस दौरान असंतुलित हो सकता है। ऐसे में तला-भुना, तैलीय और अधिक मसालेदार भोजन पचाने में कठिनाई होती है,

हल्के भोजन के रूप में मूंग की दाल, मूंग-चावल की खिचड़ी, गेहूं या जौ का दलिया तथा पुराने चावल का सेवन लाभकारी माना जाता है। वर्षा ऋतु या उपवास के दौरान जौ (यव), सत्तू और साबूदाने का सेवन भी किया जा सकता है। रोटी और विशेष रूप से पराठों का सीमित मात्रा में सेवन करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा, उबली या हल्की पकी सब्जियां जैसे लौकी, तुरई, परवल, टिंडा, पालक, मेथी और भिंडी लाभदायक होती हैं। मूंग दाल, छिलके वाली मसूर दाल तथा छाछ या सीमित मात्रा में दही का सेवन भी किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, भोजन हमेशा ताजा, गर्म और कम मात्रा में करना चाहिए। जरूरत से अधिक भोजन करने से पाचन संबंधी परेशानियां बढ़ सकती हैं।

फिल्म के लिए खुद पर बहुत काम करना पड़ा था : सानवी तलवार

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री सानवी तलवार ने हॉरर थ्रिलर फिल्म 'खामोश आहटें' में रिया नाम की लड़की का किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि रिया का किरदार निभाने के लिए उन्हें वजन घटाने, बढ़ाने से लेकर खुद पर बहुत सारे काम करने पड़े।

अभिनेत्री ने अपनी टीम की सराहना करते हुए कहा कि साइकोलॉजिकल, इमोशनल और ड्रामैटिक सीन बहुत चैलेंजिंग थे, लेकिन एक सपोर्टिव डायरेक्टर, सिनेमैटोग्राफर और हिम्मत बढ़ाने वाली टीम की वजह से ये सब बहुत आसानी से हो गया था। उन्होंने अपने किरदार के बारे में बताते हुए कहा, 'एक एक्टर के तौर पर मुझे किरदार के जरिए कई अलग-अलग शेड्स एक्सप्लोर करने का मौका मिला। सीरीज में थ्रिलर, साइकोलॉजिकल ड्रामा, फैमिली इमोशन्स, स्प्लिट पर्सनैलिटी, हॉरर और इंटेंस इमोशनल मोमेंट्स शामिल थे। जब आपको एक ही प्रोजेक्ट में इतने सारे लेयर्स परफॉर्म करने को मिलते हैं, तो यह एक मजेदार अनुभव बन जाता है।' अभिनेत्री ने कहा, 'नकारात्मक किरदार चैलेंजिंग और मजेदार होते हैं। टेलीविजन फैमिली ड्रामा अक्सर इमोशनल सीन के आसपास घूमते हैं, लेकिन नकारात्मक किरदार आपको अलग-अलग इमोशन के साथ एक्सपेरिमेंट करने का मौका देता है। यही बात ऐसे रोल्स को स्पेशल बनाती है।' भारतीय टेलीविजन धारावाहिकों में नकारात्मक किरदार या 'वैम्प' की भूमिकाओं ने हमेशा कहानियों को रोमांचक बनाया है। उर्वशी ढोलकिया द्वारा निभाई गई कोमोलिका और सुधा चंद्रन द्वारा निभाया गया रमोला सिकंद का किरदार इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं।

अभिनेत्री सानवी तलवार ने कहा, 'मैं आपकी बात से पूरी तरह सहमत हूं। समय बदल गया है और दर्शकों की पसंद भी बदल रही है। पहले के लोगों के पास एंटरटेनमेंट के लिए ऑप्शन कम हुआ करते थे, इसलिए वे टीवी के किरदारों के साथ लंबे समय तक जुड़े रहते थे।

माता-पिता को खोने का दर्द बयां कर भावुक हुए सोनू सूद

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद अपनी दरियादिली और परोपकार के लिए लाखों दिलों पर राज करते हैं। शनिवार को अभिनेता ने सोशल मीडिया के माध्यम से माता-पिता को याद करते हुए खास पोस्ट शेयर किया। अभिनेता ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर माता-पिता की याद में एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे कहते हैं, 'मैं उन लोगों में से हूं, जिन्होंने बहुत कम उम्र में अपने माता-पिता को खो दिया था। आज मैं आपसे जो कहने जा रहा हूं, वह किसी किताब की लाइन नहीं है, बल्कि जिंदगी के सबसे कठिन समय के अनुभवों से निकली है। एक दिन जब आपके माता-पिता दुनिया से छोड़कर चले जाते हैं, तब आपके भले उनका नंबर होगा, लेकिन कॉल उठाने वाले कोई नहीं होंगे। हो सकता है उस समय आपके पास बहुत पैसा हो। आप उनके लिए बहुत कुछ खरीदना चाहेंगे, लेकिन आप कुछ नहीं कर पाएंगे, क्योंकि आपके माता-पिता आपके साथ नहीं होंगे।' अभिनेता सोनू सूद ने आगे माता-पिता के जाने के बाद वाले अफसोस को बयां करते हुए कहा, 'जब माता-पिता नहीं होंगे, तब आप उनके पुराने मैसेज पढ़ेंगे, घंटों तस्वीरें देखते रहेंगे और सोचेंगे कि काश मैं उन्हें एक बार गले लगा पाता, लेकिन तब वे आपके पास नहीं होंगे।

'द केरल स्टोरी' की सफलता के बाद बदली अदा शर्मा की किस्मत

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री अदा शर्मा की फिल्म 'द केरल स्टोरी' ने रिलीज के बाद दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ने के साथ-साथ अभिनेत्री के नए रास्ते खोल दिए। अदा शर्मा का मानना है कि इस फिल्म से मिली सफलता ने उन्हें इंडस्ट्री में खुद को बेहतरीन कलाकार के रूप स्थापित करने का अवसर दिया है, जिससे उनके लिए अब नए रास्ते खुल गए हैं। अभिनेत्री ने बातचीत के दौरान बताया कि इस फिल्म के बाद उन्हें कई अलग-अलग और कठिन भूमिकाएं निभाने के मौके मिले। अदा ने कहा, 'मेरे साथ ऐसा हुआ कि जब आपकी फिल्म हिट होती है, तो ज्यादा लोग आप पर भरोसा करने लगते हैं और आपको बड़े काम देने के लिए तैयार होते हैं। अब मुझे ऐसे किरदार निभाने को मिल रहे हैं, जिसका सपना हर अभिनेता देखता है।'

बोलीं- 'अब मिल रहे हैं अच्छे किरदार'

बता दें कि अभिनेत्री अदा शर्मा ने सुपरहिट फिल्म 'द केरल स्टोरी' में शालिनी नाम की एक पूर्व नर्सिंग छात्रा की भूमिका अदा करके दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी। इसे सुदीप्तो सेन ने निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह ने निर्मित किया था। यह फिल्म जबरन धर्मांतरण और महिलाओं के आईएसआईएस में शामिल होने के दावों पर आधारित थी।

अभिनेत्री अदा शर्मा को बड़ी पहचान उनकी सुपरहिट फिल्म 'द केरला स्टोरी' से मिली। फिल्म में उसके जीवन के सफर को दिखाया गया है कि कैसे एक मासूम लड़की आतंकवाद की शिकार बन जाती है। फिल्म की शुरुआत शालिनी उन्नीकृष्णन (अदा शर्मा) नाम की एक लड़की से होती है, जो अफगानिस्तान-ईरान सीमा पर पकड़ी जाती है। पूछताछ के दौरान वह बताती है कि कैसे केरल में नर्सिंग की पढ़ाई के दौरान उसका ब्रेनवॉश किया गया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ी कमर्शियल सक्सेस रही थी।

हालांकि, फिल्म को रिलीज से पहले काफी विवादों का सामना करना पड़ा था। कई लोगों ने इसे प्रोपेगेंडा बताया, जबकि समर्थकों ने इसे एक कड़वा सच करार दिया। तीखे विवाद और विरोध के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही थी, जिसके बाद साल 2026 में केरल स्टोरी 2 भी रिलीज की गई थी।

बाहरी दुनिया के शोर से पाएं मुक्ति, अपनाएं कर्णपीड़ासन और बढ़ाएं मानसिक एकाग्रता

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। आज की भागदौड़ भरी और तनावपूर्ण जीवनशैली में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक शांति बनाए रखना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में कर्णपीड़ासन को एक महत्वपूर्ण योगासन माना जाता है। यह शरीर के लचीलेपन को बढ़ाने में सहायक माना जाता है और नियमित अभ्यास से तंत्रिका तंत्र को शांत रखने तथा मानसिक एकाग्रता बढ़ाने में मदद मिल सकती है। संस्कृत में यह शब्द तीन भागों से मिलकर बना है- 'कर्ण', जिसका अर्थ कान है; 'पीड़ा', यानी दबाव या खिंचाव; और 'आसन', अर्थात मुद्रा। इस योग मुद्रा में घुटनों द्वारा कानों पर हल्का दबाव डाला जाता है। योग परंपरा के अनुसार, यह आसन बाहरी व्यवधानों से ध्यान हटाकर व्यक्ति को अपने भीतर की चेतना और एकाग्रता पर केंद्रित करने में सहायक माना जाता है।

आयुर्वेद और योग परंपरा में कर्णपीड़ासन को हलासन का एक उन्नत रूप बताया गया है। नियमित अभ्यास से यह रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन, पाचन क्रिया और मानसिक शांति में सहायक माना जाता है। यह आसन सामान्यत: हलासन और सर्वांगासन के बाद किया जाता है। इसमें पेट और कमर की मांसपेशियां शरीर के संतुलन को बनाए रखने में सक्रिय रहती हैं।

आयुर्वेद और योग परंपरा में कर्णपीड़ासन को हलासन का एक उन्नत रूप बताया गया है। नियमित अभ्यास से यह रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन, पाचन क्रिया और मानसिक शांति में सहायक माना जाता है। यह आसन सामान्यतः हलासन और सर्वांगासन के बाद किया जाता है

इसे करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल सीधे लेट जाएं और हथेलियों को जमीन की ओर रखें। फिर सांस लेते हुए पैरों को ऊपर उठाएं और उन्हें सिर के पीछे ले जाकर हलासन की मुद्रा बनाएं। इसके बाद धीरे-धीरे घुटनों को मोड़ते हुए कानों के दोनों ओर जमीन पर टिकाने का प्रयास करें। हाथों को पीठ के सहारे रखें या जमीन पर सीधा रखें। सामान्य गति से सांस लेते हुए 30 से 60 सेकंड तक इस स्थिति में रहें।

नियमित अभ्यास से यह आसन तनाव कम करने तथा मानसिक एकाग्रता और स्थिरता बढ़ाने में सहायक माना जाता है। हालांकि, गर्दन या रीढ़ की गंभीर चोट, हर्निया, अनियंत्रित उच्च रक्तचाप, ग्लूकोमा अथवा अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को यह आसन केवल योग्य योग प्रशिक्षक या चिकित्सक की सलाह पर ही करना चाहिए।

निसंतानता कोई सामाजिक झिझक और भ्रांतियों का विषय नहीं, एक चिकित्सकीय स्थिति

ग्रेटर नोएडा, 25 जुलाई (देशबन्धु)। विश्व आईवीएफ दिवस के अवसर पर यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा एक्सटेंशन में एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य निसंतानता (इनफर्टिलिटी) से जुड़ी सामाजिक झिझक और भ्रांतियों को दूर करना, लोगों को समय पर विशेषज्ञ से परामर्श लेने के लिए प्रेरित करना तथा आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) जैसी आधुनिक प्रजनन तकनीकों के प्रति वैज्ञानिक समझ विकसित करना था। इस अवसर पर आईवीएफकी मदद से माता-पिता बने कई परिवार अपने बच्चों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने अपनी संघर्ष से सफ्लता तक की प्रेरणादायक यात्रा साझा करते हुए बताया कि सही समय पर उपचार और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन ने उनके जीवन में नई उम्मीद और खुशियां लौटाईं। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने बताया कि निसंतानता कोई कमजोरी नहीं, बल्कि एक चिकित्सकीय स्थिति है, जिसका समय पर और वैज्ञानिक तरीके से उपचार संभव है। आज भी अनेक दंपति सामाजिक झिझक, गलत धारणाओं और जानकारी के अभाव के कारण विशेषज्ञ से परामर्श लेने में देर कर देते हैं, जिससे उपचार की सफलता प्रभावित हो सकती है। इस अवसर पर डॉ. अमरीन सिंह, एचओडी एवं सीनियर कंसल्टेंट- आईवीएफ एवं इंफर्टिलिटी, यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा एक्सटेंशन ने कहा कि आईवीएफ केवल एक उपचार नहीं, बल्कि पूरी तैयारी की प्रक्रिया है। बेहतर परिणाम के लिए दंपतियों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से तैयार रहना चाहिए। यदि किसी को थायरॉयड, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या एनीमिया जैसी समस्या है, तो पहले उसका उचित उपचार कराना जरूरी है। डॉक्टर द्वारा बताई गई सभी जांच समय पर करानी चाहिए, क्योंकि छोटी-सी स्वास्थ्य समस्या भी आईवीएफके परिणाम को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने आगे कहा, 35 वर्ष से कम आयु की महिलाओं को यदि नियमित प्रयास के एक वर्ष बाद भी गर्भधारण नहीं होता और 35 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को छह महीने के प्रयास के बाद भी गर्भधारण नहीं होता, तो उन्हें फर्टिलिटी विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, स्वस्थ वजन बनाए रखना तथा धूम्रपान और शराब से दूरी उपचार की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उपचार के दौरान सकारात्मक सोच और तनाव को नियंत्रित रखना भी बेहद आवश्यक है। हॉस्पिटल के सीओओ डॉ. प्रह्लाद अग्रवाल ने कहा, कि निसंतानता को सामाजिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से समझने की आवश्यकता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और आईवीएफजैसी तकनीकों ने लाखों परिवारों के जीवन में नई उम्मीद जगाई है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लोग सामाजिक झिझक और भ्रांतियों से बाहर निकलें, समय पर विशेषज्ञ से सलाह लें और वैज्ञानिक तथ्यों पर भरोसा करें। सही समय पर उपचार से अनेक दंपतियों का माता-पिता बनने का सपना साकार हो सकता है।

- समय पर उपचार से लाखों दंपतियों का माता-पिता बनने का सपना हो सकता है साकार
- यथार्थ हॉस्पिटल ग्रेनो वेस्ट में आयोजित कार्यक्रम में आईवीएफ से माता-पिता बने परिवार हुए शामिल

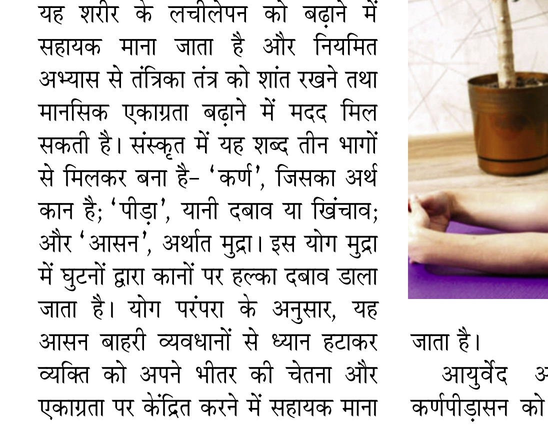

संस्थानों के विफल होने पर भी जवाबदेही की मांग की जानी चाहिए : सोनी राजदान

मुंबई, 25 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान ने शनिवार को नीट पेपर लीक और परीक्षा संबंधी अन्य मुद्दों पर छात्रों के देशव्यापी विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया दी। उनका मानना है कि संस्थानों के विफल होने पर भी जवाबदेही की मांग की जानी चाहिए। अभिनेत्री सोनी राजदान ने इंस्टाग्राम पर एक नोट जारी किया, जिसमें उन्होंने छात्रों के दर्द को शब्दों में पिरोते हुए लिखा, 'उनकी बातों को भी सुनें। युवाओं को सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करते देखना दुखद है। वे सिर्फ यह चाहते हैं कि उनकी मेहनत और भविष्य के साथ कोई अन्याय न हो। इन छात्रों ने महीनों, बल्कि कई सालों तक उन परीक्षाओं की तैयारी की है, जिन पर उनका भविष्य निर्भर करता है। वे किसी तरह की विशेष सुविधा नहीं मांग रहे हैं। वे सिर्फ निष्पक्ष और पारदर्शी व्यवस्था चाहते हैं। जब उनका भरोसा टूटता है, तो उनके गुस्से और निराशा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।'

उन्होंने आगे लिखा, 'राजनीति चाहे जैसी भी हो, सरकार का कर्तव्य है कि वह छात्रों की बात सुने। जवाबदेही जरूरी है। सुनने का मतलब केवल बातें सुनना नहीं, बल्कि कठिन सवालों का जवाब देना भी है। अगर बार-बार समस्याएं सामने आती हैं, जबकि व्यवस्था सुधारने का भरोसा दिया गया हो, तो छात्रों का जवाबदेही मांगना पूरी तरह उचित है। बुनियादी बात यह है कि जिन लोगों पर व्यवस्था की जिम्मेदारी है, उन्हें अपनी कमियों के लिए जवाब देना चाहिए।'

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

बजाज फाइनेंस	2.58 प्रतिशत
इटरनल	2.34 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	2.10 प्रतिशत
भारती एयरटेल	1.66 प्रतिशत
एशियन पेंट्स	1.15 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,44,480
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,35,000
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	97.80	94.72
पौड स्टर्लिंग	130.63	126.02
यूरो	111.65	107.49
चीन युआन	15.16	13.43

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

माइनिंग व कंस्ट्रक्शन उपकरण निर्माण का वैश्विक हब बन सकता है भारत

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। भारत का माइनिंग और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट उद्योग आने वाले वर्षों में वैश्विक स्तर पर बड़ी ताकत बन सकता है। इसी दिशा में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) ने संयुक्त रूप से 'प्रेसिंग द थ्रॉटल: हाउ इंडियाज माइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट इंडस्ट्री कैन सपोर्ट डोमेस्टिक एम्बिशंस एंड बिकम अ ग्लोबल फोर्स' नाम से एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में भारत को माइनिंग और कंस्ट्रक्शन उपकरणों के निर्माण और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए विस्तृत रणनीति पेश की गई है।

रिपोर्ट में भारत के माइनिंग और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट सेक्टर का व्यापक आकलन किया गया है। साथ ही घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने, नई तकनीकों को तेजी से अपनाने, स्थानीयकरण बढ़ाने, वैश्विक प्रतिस्पर्धा मजबूत करने और भारत को इस क्षेत्र में पसंदीदा मैन्युफैक्चरिंग एवं एक्सपोर्ट हब बनाने के लिए स्पष्ट रोडमैप दिया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों को हासिल करने

■ सीआईआई-बीसीजी रिपोर्ट ने पेश किया रोडमैप

में माइनिंग और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट सेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि माइनिंग और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट सेक्टर भारत की आधारभूत संरचना और औद्योगिक विकास की महत्वाकांक्षाओं का अहम हिस्सा है। इस क्षेत्र की अगली विकास यात्रा के लिए उद्योग और सरकार के बीच मजबूत सहयोग, अधिक निवेश, नवाचार, कौशल विकास और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर विशेष ध्यान देना होगा। यह रिपोर्ट भविष्य के लिए मजबूत, प्रतिस्पर्धी और तकनीक आधारित माइनिंग और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट सेक्टर तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण सुझाव देती है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत का माइनिंग और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट उद्योग दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में शामिल हो चुका है। वर्तमान में इस उद्योग का अनुमानित आकार 17 अरब अमेरिकी डॉलर है और इसमें हर साल 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है।

महानदी ऑफशोर बेसिन में पहले अप्रेजल वेल की ड्रिलिंग शुरू : पुरी

■ ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में नया अध्याय

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को महानदी अपतटीय (ऑफशोर) बेसिन में पहले अप्रेजल वेल की ड्रिलिंग शुरू होने की घोषणा करते हुए इसे भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में 'एक नए अध्याय की शुरुआत' बताया। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि इस पहले अप्रेजल वेल की ड्रिलिंग की शुरुआत पिछले एक दशक में किए गए दूरदर्शी सुधारों का परिणाम है, जिन्होंने भारत के एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाया है। महानदी ऑफशोर बेसिन में शुरू किया गया 'एमएन-डीडब्ल्यूएन18-1-एचडी' अप्रेजल वेल चार प्रस्तावित डीपवॉटर वेल में पहला है। इन कुओं के जरिए देश के सबसे संभावनाशील ऑफशोर बेसिन में से एक का चरणबद्ध तरीके से आकलन किया जाएगा। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, इस ड्रिलिंग कार्यक्रम में विश्वस्तरीय डीपवॉटर ड्रिलिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे नए हाइड्रोकार्बन संसाधनों की खोज करने और देश की घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। मंत्री ने कहा कि पिछले दस वर्षों में सरकार ने ऐतिहासिक नीतिगत और नियामकीय सुधारों के जरिए एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन क्षेत्र के पूरे ढांचे को बदल दिया है। हरदीप पुरी ने ओएनजीसी, ऑयल इंडिया लिमिटेड, डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हाइड्रोकार्बन्स, तकनीकी साझेदारों और पूरे एक्सप्लोरेशन क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को बधाई दिए।

18 अगस्त से विजिनजम बंदरगाह पर शुरू होगा आयात-निर्यात कार्गो संचालन

■ मुख्यमंत्री सतीशन करेंगे शुभारंभ

तिरुवनंतपुरम, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केरल का विजिनजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह 18 अगस्त से पूर्ण रूप से एक्सपोर्ट-इंपोर्ट (एक्सिम) कार्गो संचालन शुरू करने जा रहा है। इसके साथ ही देश का यह नया गहरे समुद्र वाला बंदरगाह केवल अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट हब तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारत के विदेशी व्यापार के लिए एक प्रमुख गेटवे पोर्ट के रूप में भी काम करेगा।

मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन 18 अगस्त को औपचारिक रूप से एक्सिम कार्गो संचालन का शुभारंभ करेंगे। इसे केरल की सबसे बड़ी आधारभूत संरचना परियोजनाओं में से एक विजिनजम बंदरगाह के विकास का एक अहम पड़ाव माना जा रहा है। अब तक विजिनजम बंदरगाह केवल अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में कार्य कर रहा था, जहां बड़े मालवाहक जहाजों (मदर वेसल) से कंटेनरों को छोटे फीडर जहाजों में स्थानांतरित किया जाता था। 18 अगस्त से यह बंदरगाह भारतीय आयात और निर्यात से जुड़े कार्गो की भी आवाजाही संभालेगा। इससे केरल और आसपास के राज्यों के कारोबारियों को अंतरराष्ट्रीय शिपिंग सेवाओं तक सीधी पहुंच मिलेगी।

कोच्चि के कस्टम (प्रिवेंटिव) आयुक्त ने एक्सिम कार्गो संचालन के लिए विस्तृत संचालन ढांचा जारी किया है।

इस हफ्ते वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से सोने व चांदी में रही तेजी

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमश: 2 हजार रुपए और 6 हजार रुपए से अधिक महंगे हो गए हैं। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 2,622 रुपए बढ़कर 1,43,781 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,41,159 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,31,703 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,29,302 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,07,836 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,05,869 रुपए प्रति 10 ग्राम था। इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 20 जुलाई को सुबह के सत्र में

1,41,915 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 23 जुलाई को सुबह के सत्र में 1,45,557 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का दाम 6,974 रुपए बढ़कर 2,22,721 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,15,474 रुपए प्रति किलो था। इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 22 जुलाई को सुबह के सत्र में 2,26,238 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 24 जुलाई को सुबह के सत्र में 2,19,556 रुपए प्रति किलो देखा गया।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन ने तय किया 1,200 किलोमीटर का सफर

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन, जो 10-कोच मॉडल है और संचालन के दौरान केवल जलवाष्प उत्सर्जित करती है, ने सफलतापूर्वक 1,200 किलोमीटर से अधिक का सफर तय किया है। इस दौरान 3,200 लीटर से अधिक डीजल की बचत हुई। यह जानकारी रेलवे मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी।

रेलवे मंत्रालय के अनुसार, हाइड्रोजन ट्रेन में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच होने वाली रासायनिक प्रक्रिया से ट्रेन के भीतर ही बिजली पैदा होती है। इस प्रक्रिया में उप-उत्पाद के रूप में

केवल जलवाष्प निकलती है।

मंत्रालय ने बताया कि यह पूरी प्रक्रिया धुएं से मुक्त है और इसमें टेलपाइप कार्बन उत्सर्जन शून्य होता है। यही वजह है कि इसे वर्तमान समय की सबसे स्वच्छ रेल प्रोपल्शन तकनीक माना जा रहा है।

इस ट्रेन में दो हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार हैं, जो कुल

■ 3,200 लीटर डीजल की बचत

2,400 किलोवाट की शक्ति प्रदान करती हैं। इन्हें लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियों और हाइड्रोजन सिलेंडरों का भी समर्थन प्राप्त है।

ट्रेन के लिए ग्रीन हाइड्रोजन को 500 बार तक के दबाव पर संग्रहित किया गया है, जबकि 350 बार के दबाव पर इसकी आपूर्ति की जाती है। कुल मिलाकर इसमें लगभग 3,000 किलोग्राम हाइड्रोजन संग्रहित करने की क्षमता है।

रेलवे मंत्रालय ने बताया कि ट्रेन में कई स्वतंत्र सुरक्षा प्रणालियां लगाई गई हैं, जो गैस रिसाव, अत्यधिक गर्मी, आग और धुएं का तुरंत पता लगा सकती हैं।

सार संक्षेप

डोडला डेयरी का पहली तिमाही में मुनाफा घटा

नई दिल्ली। डोडला डेयरी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे जारी करते हुए बताया कि कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट घटकर 40.64 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले तिमाही के 69.80 करोड़ रुपए की तुलना में करीब 42 प्रतिशत कम है। हालांकि, कंपनी की रेवेन्यू में मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। जून 2026 को समाप्त तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 19 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 1,197.94 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि दूध की खरीद कीमतों में बढ़ोतरी और आने वाली तिमाहियों की जरूरतों को देखते हुए रणनीतिक रूप से अधिक इन्वेंट्री तैयार करने के कारण मुनाफे पर दबाव पड़ा। डोडला सुनील रेड्डी ने कहा कि इन्वेंट्री बढ़ाने की रणनीति पूरे डेयरी उद्योग के रुझान के अनुरूप है।

टैरिफ का भारतीय फार्मा कंपनियों पर सीमित प्रभाव

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ का ऐलान किया। हालांकि, अमेरिका में आयातित जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध टैरिफ लगाने की घोषणा का भारतीय दवा कंपनियों की क्रेडिट प्रोफाइल पर अगले दो वित्तीय वर्षों में सीमित प्रभाव पड़ने की संभावना है। इन्फोमेरिक्स रेटिंग्स के विश्लेषण के अनुसार, अमेरिका भारतीय दवा कंपनियों के लिए सबसे बड़े बाजारों में से एक है। वित्त वर्ष 2025-26 में अमेरिका ने भारत से 9.47 अरब डॉलर मूल्य के फार्मास्यूटिकल उत्पाद आयात किए, जो भारत के कुल फार्मा निर्यात का लगभग 30 फीसदी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टैरिफ लागू होने से पहले दिया गया ट्रांजिशन पीरियड भारतीय फार्मा कंपनियों को अपनी कारोबारी रणनीति में बदलाव करने के लिए पर्याप्त समय देगा। इससे निकट भविष्य में उनकी वित्तीय स्थिति और क्रेडिट प्रोफाइल पर प्रभाव सीमित रहेगा।

सीतारमण ने विभाग के लिए सुझाए सात सिद्धांत

नई दिल्ली। वित्त मंत्री ने आयकर विभाग के लिए निरंतर सुधार की संस्कृति अपनाने, जनता के बीच और मजबूत विश्वास जमाने, प्रौद्योगिकी के दायित्वपूर्ण उपयोग और स्वैच्छिक अनुपाल की व्यवस्था अधिक सुदृढ करने सहित आयकर विभाग के लिए सात व्यापक सिद्धांत सुझाए हैं। उन्होंने विभाग से आयकर रिफंड में और शीघ्रता लाने की जरूरत पर भी बल दिया है। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि मैं विभाग को स्वैच्छिक कर अनुपालन को और मजबूत बनाने, करदाताओं के अनुभव को और सरल एवं सहज बनाने, क्रियान्वयन स्तर पर कर संबंधी निश्चितता को और सुदृढ़ करने, प्रौद्योगिकी का जिम्मेदारीपूर्वक और प्रभावी उपयोग करने, संस्थागत उत्कृष्टता का निर्माण करने, जनता का विश्वास और अधिक मजबूत करने तथा निरंतर सुधार की संस्कृति अपनाने- इन सात व्यापक सिद्धांतों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहती हूं।

भारत-ब्रिटेन एफटीए से 2030 तक 115 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है द्विपक्षीय व्यापार

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और ब्रिटेन के बीच लागू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) से वर्ष 2030 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 58 अरब डॉलर (2025-26) से बढ़कर 115 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। साथ ही, इससे 7 से 10 लाख नए रोजगार सृजन होने की संभावनाएं हैं। यह जानकारी एसोचैम की एक नई स्टडी में सामने आई है। एसोचैम ग्लोबल रिसर्च एंड स्ट्रैटेजी सेंटर की स्टडी के अनुसार, 15 जुलाई 2026 से लागू भारत-ब्रिटेन एफटीए के जरिए बाजार तक बेहतर पहुंच मिलेगी, जिससे कारोबार का दायरा बढ़ेगा और देश की युवा आबादी के लिए नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

स्टडी में कहा गया है कि टेक्सटाइल, लेदर, इंजीनियरिंग गुड्स, फार्मास्यूटिकल्स और ऑटोमोटिव जैसे श्रम-प्रधान उद्योगों को नए अवसर और व्यापक बाजार मिलने से रोजगार सृजन और निर्यात दोनों को बड़ा लाभ होगा। हालांकि, स्टडी में यह भी कहा गया है कि इस बड़ी संभावना का पूरा लाभ उठाने के लिए भारत को अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता लगातार

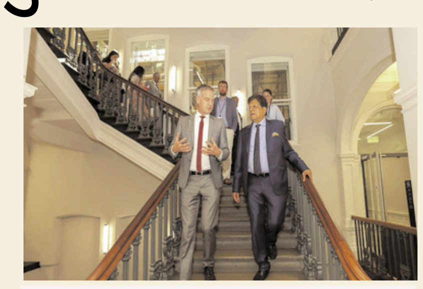

■ 7-10 लाख नई नौकरियों के सृजन होने की उम्मीद

मजबूत बनाए रखनी होगी। एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल के. मिंडा ने कहा, 'भारतीय कंपनियों को उत्पाद गुणवत्ता, सर्टिफिकेशन आवश्यकताओं, रूल्स ऑफ ओरिजिन के अनुपालन और अंतरराष्ट्रीय सस्टेनेबिलिटी मानकों को पूरा करना होगा। कारोबार सुगमता से जुड़े सुधार तथा इंफ्रास्ट्रक्चर और सप्लाई चेन में लगातार निवेश इन मानकों को हासिल करने की कुंजी होंगे।

स्टडी के मुताबिक, इंजीनियरिंग गुड्स क्षेत्र को इस समझौते से विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे एमएसएमई के विकास को गति मिलेगी और अंतत: रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा, आसान कस्टम्स प्रक्रियाएं और डिजिटल ट्रेड से जुड़े प्रावधान अनुपालन को सरल बनाएंगे।

भारत-इजरायल के बीच एफटीए को लेकर बढ़ी रफ्तार : अजार

नई दिल्ली। भारत-इजरायल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बातचीत का दूसरा दौर सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। यह चार दिवसीय वार्ता 20 से 23 जुलाई 2026 तक नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में आयोजित की गई थी। सफल वार्ता पर खुशी जताते हुए भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने शनिवार को कहा कि यह समझौता दोनों देशों के लिए लाभकारी साबित होगा। अजार ने एक्स अकाउंट पर कहा, 'पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम।' अजार ने वित्तीय विभाग के बयान को री शेयर करते हुए अपनी खुशी व्यक्त की।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने भारतीय पैरालंपिक समिति के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली 25 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने आज भारतीय पैरालंपिक समिति के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करने की घोषणा की है। एसबीआई लाइफ 2026 पैरा स्पोर्ट्स सीजन के लिए भारतीय दल का प्रिंसिपल पार्टनर बन गया है। कंपनी आगामी ग्लासगो राष्ट्रमंडल पैरा खेल 2026 और आइची-नागोया जापान में होने वाले एशियाई पैरा खेल 2026 में जाने वाले भारतीय पैरालंपिक दल के लिए ऑफिशियल लाइफ इंश्योरेंस पार्टनर होगी।

एसबीआई लाइफ ने पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों के दौरान भारत के पैरा-एथलीट्स के साथ अपने सफल सहयोग को आगे बढ़ाया है। कंपनी ने खिलाड़ियों के दृढ़ संकल्प, उनकी तैयारी और उत्कृष्टता की उन कहानियों को बढ़ावा देना जारी रखा है, जो लोगों को आत्मविश्वास के साथ अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रेरित करती हैं।इस साझेदारी के जरिए एसबीआई लाइफ का मकसद भारत के बेहतरीन पैरा-खिलाड़ियों की मेहनत और उनके सफर को पहचान देना और उसे दुनिया के सामने लाना है। इस साझेदारी के बारे में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के चीफ, ब्रांड, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन और सीएसआर, रवींद्र शर्मा ने कहा, एसबीआई लाइफ में हमारा मानना है हमारे ब्रांड की फिलॉसफी अपने लिए, अपनों के लिए का मूल आधार है, और यही बात भारतीय पैरालंपिक समिति के साथ हमारे जुड़ाव को इतना विशेष बनाती है। उन्होंने कहा, भारत के पैरा-एथलीट्स इस बात की बेहतरीन उदाहरण हैं कि सही तैयारी, लक्ष्य पर ध्यान और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ कैसे आगे बढ़ा जाता है। उन्होंने कहा, 2026 के पैरा स्पोर्ट्स सीजन के लिए भारतीय दल के प्रिंसिपल पार्टनर के रूप में पीसीआई के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत करते हुए, हमें इन शानदार खिलाड़ियों के साथ खड़े होने पर गर्व है।

69,725 करोड़ रुपए से मिलेगी देश के जहाज निर्माण उद्योग को मजबूती

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने देश के जहाज निर्माण (शिपबिल्डिंग) उद्योग को नई गति देने के लिए 69,725 करोड़ रुपए के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी है। इस पैकेज का उद्देश्य घरेलू जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाना, समुद्री क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक वित्तपोषण उपलब्ध कराना और कौशल विकास को बढ़ावा देना है।

लोकसभा में पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि इस पैकेज के तहत भारतीय शिपयार्ड की लागत को वैश्विक शिपयार्ड के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए 24,736 करोड़ रुपए की शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस स्कीम को मंजूरी दी गई है। पैकेज का एक प्रमुख हिस्सा 25,000 करोड़ रुपए का मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड है, जिसके जरिए जहाज निर्माण और समुद्री क्षेत्र को दीर्घकालिक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें 20,000 करोड़ रुपए का

■ समुद्री वित्तपोषण व कौशल विकास पर भी जोर

मैरीटाइम इन्वेस्टमेंट फंड और 5,000 करोड़ रुपए का इंटरेस्ट इंसेंटिवाइजेशन फंड शामिल है। सरकार ने 19,989 करोड़ रुपए की शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम (एसबीडीएस) को भी मंजूरी दी है। इस योजना के तहत ग्रीनफील्ड क्लस्टर विकसित करने और मौजूदा इकाइयों के ब्राउनफील्ड विस्तार के माध्यम से देश की जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाकर प्रतिवर्ष 45 लाख ग्रॉस टनेज करने का लक्ष्य रखा गया है।

स्टार्ट-अप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम से 4.32 लाख ग्रामीण उद्यमों को मिला सहारा : सरकार

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शनिवार को बताया कि स्टार्ट-अप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम (एसवीईपी) के तहत जून 2026 के अंत तक 4.32 लाख ग्रामीण उद्यमों को सहायता प्रदान की गई है। इस योजना से उद्यमियों की आय और मुनाफे में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, साथ ही समाज के वंचित वर्गों के लोगों को उद्यमिता से जोड़ने में भी सफलता मिली है।

सरकार के अनुसार, एसवीईपी के तहत लाभान्वित होने वाले करीब 86 प्रतिशत उद्यमी अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यक समुदायों से आते हैं। असम, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश ऐसे राज्य हैं, जहां इस योजना के तहत सबसे अधिक ग्रामीण उद्यमों को सहायता मिली है। यह कार्यक्रम स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन (एसआरएलएम) के

माध्यम से संचालित किया जाता है, जिसके तहत गैर-कृषि आधारित ग्रामीण उद्यमों को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, मेंटरिंग और समुदाय-आधारित संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराया जाता है। सरकार ने बताया कि स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन-एंटरप्राइज प्रमोशन (सीआरपी-ईपी), बैंक लिंकेज और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसी योजनाओं के साथ समन्वय के जरिए एसवीईपी का दायरा लगातार बढ़ाया गया है। यह योजना गरीबी उन्मूलन, स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और ग्रामीण

■ वंचित वर्गों से 86 प्रतिशत उद्यमी

अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रभावी मॉडल बनकर उभरी है। योजना के विस्तार के लिए केंद्र सरकार ने फरवरी 2026 तक कुल 942.09 करोड़ रुपए की केंद्रीय हिस्सेदारी जारी की है। यह राशि वर्ष 2016 में योजना की शुरुआत से लेकर जनवरी 2018 तक जारी किए गए 112.39 करोड़ रुपए की तुलना में लगभग 738 प्रतिशत अधिक है। एसवीईपी को स्टेट रूरल लाइवलीहुड मिशन के माध्यम से लागू किया जाता है। इसके तहत प्रत्येक ब्लॉक के लिए 6.50 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जबकि प्रति उद्यम औसत निवेश 27,083 रुपए है। सरकार के मुताबिक, इस योजना ने साबित किया है कि यदि मजबूत सामुदायिक संस्थाओं का सहयोग मिले तो ग्रामीण उद्यमिता समावेशी आर्थिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।
तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुड्डितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें ▪ मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर ▪ भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09040
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

wwww.shabdwanisamachar.page E-mail : shabdwanisamachar2003@gmail.com Helpline : 0886-012-8844

परिवार का पेट पालने के लिए झंडू कुमार ने बेची सब्जी और चलाया ई-रिक्शा

पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने जीता ब्रॉन्ज कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का खुला खाता

जज्बे और संघर्ष से हासिल की जीत

● ग्लासगो / (एजेंसी)

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने पहला मेडल जीत लिया है। बिहार के पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने पुरुष हेवीवेट वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 190 किलोग्राम की बेस्ट लिफ्ट के साथ 130.9 अंक हासिल किए। कुमार ने भारत की मेडल संख्या का खाता खोला और पुरुषों के हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीता। पोलियो से उबरने वाले 28 साल के कुमार ने 181 किग्रा और 190 किग्रा के वजन सफलतापूर्वक उठाकर 130.9 प्वाइंट्स बनाए। वो 196 किग्रा का निर्णायक प्रयास पूरा नहीं कर सके। नाइजीरिया के इदरिस रिलुवान ने 132.8 प्वाइंट्स के साथ गोल्ड मेडल जीता। मैथ्यू हार्डिंग ने 131 अंक के साथ सिल्वर मेडल जीता।

सब्जी बेचकर परिवार का हाथ बंटाया

झंडू कुमार ने संघर्ष करके यहां तक की यात्रा तय की। बिहार के नालंदा जिले के हरनौत में जन्में झंडू पोलियो से ग्रस्त थे। उनके पिता सड़क किनारे सब्जियां बेचते थे। झंडू ने भी अपने पिता का साथ निभाया और सब्जी बेची।

जीत से गदगद हुए कुमार

झंडू कुमार ने मेडल जीतने की खुशी बयां करते हुए कहा, मैं अपनी खुशी बयां नहीं कर सकता। सबसे पहले मैंने घर में अपने माता-पिता को फोन किया। इसके बाद मैंने गौतम भैया को फोन किया, जो बचपन से मेरे साथ हैं। इन्हीं के साथ बचपन से मैंने अभ्यास किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लासगो में चल रहे 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की हेवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने वाले झंडू कुमार को बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए झंडू कुमार की उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने लिखा, कॉमनवेल्थ गेम्स में पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीतने पर झंडू कुमार को बधाई।

मुक्केबाज सचिन सिवाच मेडल से कुछ कदम दूर

भारतीय मुक्केबाज सचिन सिवाच ने शनिवार को स्कॉटिश इवेंट कैंपस में हुए कड़े मुकाबले वाले शुरुआती राउंड में कनाडा के केओमा अल-अहमदीह को हराकर कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के पुरुषों के 60 किग्रा इवेंट के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। 26 साल के पूर्व कॉमनवेल्थ यूथ गेम्स चैंपियन ने 4-1 के निर्णय से जीत हासिल की।सचिन सिवाच और केओमा अल-अहमदीह के बीच मुकाबले की शुरुआत बेहद रोचक रही। दोनों बाएं हाथ के मुक्केबाजों ने रिंग के बीच में एक-दूसरे पर जमकर मुक्के बरसाए। सचिन की तेज टाइमिंग और साफ कनेक्शन शुरुआती राउंड में अहम साबित हुए। उन्हें थोड़ी बढ़त मिली क्योंकि पांच में से तीन जजों ने इसे 10-9 से उनके पक्ष में स्कोर किया।

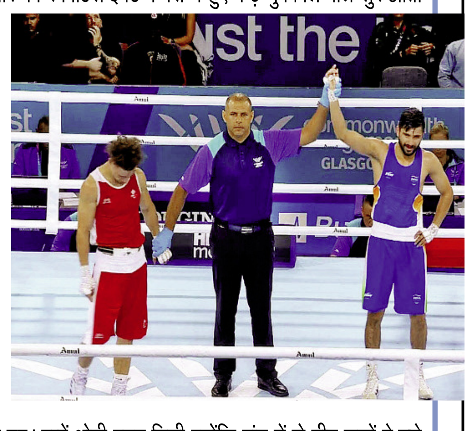

पदक तालिका में भारत 9वें स्थान पर

रैंक	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल पदक
1.	ऑस्ट्रेलिया	6	2	5	13
2.	नाइजीरिया	3	3	0	6
3.	स्कॉटलैंड	2	2	0	4
4.	इंग्लैंड	1	4	3	8
5.	कनाडा	1	0	2	3
6.	द. अफ्रीका	1	0	2	3
7.	न्यूजीलैंड	0	2	0	2
8.	वेल्स	0	1	0	1
9 .	मलेशिया	0	0	1	1
9.	भारत	0	0	1	1

सेमीफाइनल की दौड़ में बरकरार महिला लॉन बॉल टीम: रूपा रानी टिर्की और पिंकी सिंह की भारतीय जोड़ी ने राष्ट्रमंडल खेलों की लॉन बॉल्स प्रतियोगिता में अपना दबदबा बनाते हुए महिला पेयर्स के सेक्शन बी में टोंगा को टाई-ब्रेकर में 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदें जीवंत रखा। टाई-ब्रेकर में भारतीय खिलाड़ियों ने चुनौती का सामना किया। रूपा ने टीम को आगे किया और पिंकी ने जीत पक्की की।

अगले सप्ताह श्रीलंका दौरे के लिए होगा टेस्ट टीम का ऐलान

बीसीसीआई की समीक्षा बैठक मंगलवार को, टीम के प्रदर्शन पर भी होगी चर्चा

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय टीम को अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ उसकी धरती पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। 15 अगस्त से शुरू होने वाली इस सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन मंगलवार तक कर लिया जाएगा। लेकिन यह सिर्फ टीम चयन तक सीमित नहीं रहेगा। अगस्त की शुरुआत में बीसीसीआई एक अहम समीक्षा बैठक भी करेगा। इस बैठक में आयरलैंड, इंग्लैंड और जिम्बाब्वे दौरे पर भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी।

समीक्षा बैठक में मुख्य कोच गौतम गंभीर के सपोर्ट स्टाफ को लेकर भी बड़ा फैसला लिया जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, श्रीलंका टेस्ट दौरे के लिए अगले दो दिनों में टीम का चयन कर लिया जाएगा. मंगलवार तक टीम की घोषणा कर दी जाएगी।'' भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 15 से 19 अगस्त के दौरान गॉल में खेला जाएगा, दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त के दौरान कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में होगा।

चार अगस्त तक श्रीलंका पहुंचेगी टीम

भारतीय टीम चार अगस्त तक श्रीलंका पहुंच जाएगी और वहां की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब में चार दिवसीय मैच खेलेगी। लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या बुमराह अगस्त के पहले सप्ताह में टीम के साथ यात्रा कर पाएंगे या नहीं। अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक वनडे मैच खेलने के बाद शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। श्रीलंका में उनकी भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए जडेजा को टीम में शामिल नहीं किया गया था, जिसमें भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। जहां तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा संभालेंगे, वहीं कुलदीप यादव और मानव सुथार के साथ स्पिन विभाग की अगुआई करेंगे। मानव ने अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था।

भारत ने जिम्बाब्वे को 90 रन से रौंदा

किशन और तिलक चमके, अय्यर की कप्तानी में पहली सीरीज जीत

● हरारे / (एजेंसी)

लगातार 2 टी20 सीरीज हारने के बाद आखिरकार भारतीय क्रिकेट टीम के लिए राहत भरी खबर है। भारत ने जिम्बाब्वे के 3 मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में 90 रन से हरा दिया। पहले मैच में 7 विकेट से जीत हासिल करने वाली भारतीय टीम ने अब इस सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। इसी के साथ टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पहली टी20 सीरीज जीतने में कामयाब रही है। जिम्बाब्वे की टीम भारतीय गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के आगे ताश के पत्तों की तरह ढह गई और 17.5 ओवरों में 129 रनों पर ऑलआउट हो गई।

जिम्बाब्वे के लिए ओपनिंग बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने 19 गेंदों में 32 रन (3 चौके, 3 छक्के) बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाए, जबकि तादिवानाशे मरुमानी ने 24 और रयान बर्ल ने 20 रनों का योगदान दिया। इनके अलावा ब्रैड इवांस ने 19 रन बनाए, लेकिन कप्तान सिकंदर रज़ा (0) समेत टीम का मध्यक्रम पूरी तरह से फ्लॉप रहा और नियमित अंतराल पर विकेट गंवाता रहा। इसके बाद ईशान और श्रेयस अय्यर ने मोर्चा संभाला और तीसरे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की।

अय्यर 20 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 25 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद किशन ने चौथे विकेट के लिए तिलक वर्मा के साथ 94 रन की अहम साझेदारी की। किशन चौथे विकेट के रूप में आउट हुए। 31 गेंदों पर अपना 12वां टी20 अर्धशतक लगाने वाले किशन ने 44 गेंदों पर 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 81 रन की पारी खेली।

किशन ने बनाए तूफानी 81 रन

भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही मैच पर शिकंजा कसे रखा और जिम्बाब्वे के किसी भी बल्लेबाज को टिकने नहीं दिया। ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 2.5 ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट झटके। डेब्यू कर रहे यश ठाकुर और प्रिंस यादव ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 2-2 विकेट हासिल किए। उनके अलावा रवि बिश्नोई, शिवम दुबे और तिलक वर्मा को 1-1 सफलता मिली, जिसकी बदौलत टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को बेहद सस्ते में समेट दिया। इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन और उपकप्तान तिलक वर्मा की विस्फोटक अर्धशतकीय पारियों की बदौलत जिम्बाब्वे को 220 रन का लक्ष्य दिया है। भारत की तरफ से पारी की शुरुआत करने वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा आए। वैभव अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। वह 9 गेंदों पर 3 चौकों और 1 छक्के की मदद से 20 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक शर्मा का बल्ला लगातार दूसरे मैच में भी नहीं चला। अभिषेक 8 गेंदों पर 2 चौकों की मदद से 8 रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा ने 23 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। वह 29 गेंदों पर 3 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 60 रन बनाकर नाबाद रहे।

स्कोर बोर्ड

भारत

बल्लेबाज	रन	गेंद	4	6
वैभव कॉट मुजराबानी बो. नगरवा	20	9	3	1
अभिषेक कॉट बर्ल बो.मुजराबानी	8	8	2	0
ईशान कॉट बेनेट बो. न्यामुरी	81	44	9	2
अय्यर कॉट इवांस बो. बेनेट	25	20	4	0
तिलक नाबाद	60	29	5	3
रिंकू कॉट बर्ल बो.इवांस	12	8	0	1
दुबे नाबाद	6	3	1	0

अतिरिक्त: 7, कुल रन: 219-5 (20.0)
बल्लेबाजी नहीं की: विश्नोई, प्रिंस, ठाकुर, मयंक
विकेट पतन: 10-1,29-2,95-3,189-4,213-5.
गेंदबाज- रजा: 4-0-47-0, मुजराबानी: 4-0-36-1, नगरवा: 3-0-43-1, इवांस: 4-0-44-1, न्यामुरी: 3-0-25-1,बेनेट: 2-0-22-1.

जिम्बाब्वे

बल्लेबाज	रन	गेंद	4	6
बेनेट कॉट ईशान बो.ठाकुर	32	19	3	3
करन कॉट दुबे बो. प्रिंस	1	5	0	0
मायर्स बो.बिश्नोई	12	9	2	0
बर्ल कॉट रिंकू बो.तिलक	20	18	2	0
रजा कॉट ईशान बो.प्रिंस	0	3	0	0
मधेवीरे कॉट अय्यर बो.दुबे	2	3	0	0
मरूमानी बो.ठाकुर	24	19	1	1
इवांस बो.अभिषेक	19	11	1	2
न्यामुरी बो.अभिषेक	3	6	0	0
नगरवा कॉट रिंकू बो.अभिषेक	1	8	0	0
मुजराबानी नाबाद	7	6	1	0

अतिरिक्त: 8, कुल रन: 129-10 (17.5)विकेट पतन: 34-1,34-2,48-3,49-4,65-5,82-6,105-7,119-8,121-9,129-10.
गेंदबाज- मयंक: 3-0-25-0, ठाकुर: 4-0-30-2, प्रिंस: 1.2-0-10-2, बिश्नोई: 4-0-20-1, दुबे: 1.4-0-13-1, तिलक: 1-0-9-1, अभिषेक: 2.5-0-17-3.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से राणा बाहर

ढाका, आरएनएन। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले बांग्लादेश को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज नाहिद राणा साइड स्ट्रेन के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शनिवार को राणा की चोट और ऑस्ट्रेलिया सीरीज से बाहर होने की पुष्टि की। 23 साल के इस खिलाड़ी को 17 जुलाई को जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मैच के दौरान बाईं ओर ग्रेड 2 स्ट्रेन हुआ था।

मोहन बागान की जीत से हुई शुरुआत

● कोलकाता / (एजेंसी)

कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में शनिवार को रंगारंग उद्घाटन समारोह के साथ 135वें इंडियनऑयल डूरंड कप का आगाज हुआ। समारोह के बाद टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल और मोहन बागान सुपर जायंट आमने-सामने हुए, जिसमें मोहन बागान ने 1-0 से जीत दर्ज की। उद्घाटन समारोह में पश्चिम बंगाल सरकार के युवा सेवा एवं खेल विभाग के राज्य मंत्री डॉ. इंद्रनील खान, उद्योग मंत्री तापस राय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. शारद्वत मुखर्जी मौजूद थे।

135वें डूरंड कप का रंगारंग आगाज

अब्दुल समद ने दागा निर्णायक गोल

समारोह के बाद खेले गए उद्घाटन मुकाबले में मोहन बागान ने ईस्ट बंगाल को 1-0 से हराया। साहल अब्दुल समद ने 52वें मिनट में निर्णायक गोल किया। ईस्ट बंगाल ने अंतिम चरण में बराबरी के लिए कई हमले किए, लेकिन मोहन बागान के गोलकीपर विशाल कैथ ने शानदार बचाव करते हुए टीम की बढ़त कायम रखी। डूरंड कप का 135वां संस्करण 25 जुलाई से 23 अगस्त तक कोलकाता, रांची, गुवाहाटी, शिलांग और इंफाल में खेला जाएगा।

पाकिस्तान ने 5 खिलाड़ियों के मैच में उतारे 6 खिलाड़ी, अंपायरों ने दो को भेजा बाहर

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय फाइव-ए-साइड (पांच-पांच खिलाड़ियों की टीम) हॉकी प्रतियोगिता के दौरान पाकिस्तान के द्वारा छह खिलाड़ियों को मैदान पर उतारने से अंपायरों के दंड के कारण शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। ओमान के मस्कट में खेली जा रही एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स एशिया चैंपियनशिप में शुक्रवार को मैच शुरू होने के बाद अंपायरों ने देखा कि पाकिस्तान की ओर से मैदान पर 6 खिलाड़ी मौजूद हैं, नियमों के उल्लंघन पर अंपायरों ने पाकिस्तान के दो खिलाड़ियों कोबाहर भेज दिया। इसके बाद पाकिस्तान केवल तीन खिलाड़ियों के साथ खेलता रहा।

संवादहीनता का बनाया बहाना

टीम मैनेजमेंट ने सफाई दी है कि यह गलती खिलाड़ियों और कोचों के बीच संवाद ठीक से नहीं हो पाने के कारण हुई। पाकिस्तान हॉकी टीम से इस तरह की चूक पहले भी हो चुकी है। वर्ष 2022 में जकार्ता में आयोजित पुरुष हॉकी एशिया कप के दौरान जापान के खिलाफ क्वालीफिकेशन मैच में पाकिस्तान का बराबरी का गोल इसलिए रद्द कर दिया गया था क्योंकि उस समय मैदान पर 11 के बजाय 12 खिलाड़ी मौजूद थे। उस गलती के कारण पाकिस्तान 2023 हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका था। इसके बाद तत्कालीन मुख्य कोच ख्वाजा जुनैद पर पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने आजीवन प्रतिबंध लगाया था लेकिन जुनैद फिर से सीनियर टीम के प्रबंधन का हिस्सा हैं।

अनाहत सिंह खिताब से बस एक जीत दूर

नई दिल्ली, आरएनएन। भारत की स्टार स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह वर्ष 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। अब अनाहत भारत की पहली विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनने से सिर्फ एक जीत दूर हैं।शीर्ष वरीयता प्राप्त दिल्ली की अनाहत ने सेमीफाइनल में मिस्र की तीसरी/चौथी वरीय बार्ब सामेह को 11-3, 8-11, 11-4, 11-6 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज अनाहत ने पिछले साल कांस्य पदक जीता था ।

प्रधान के इस्तीफे से खेल जगत में भी मची हलचल

नई दिल्ली, आरएनएन। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। छात्रों के लगातार जारी विरोध प्रदर्शनों के बाद प्रधान ने शनिवार को पद छोड़ने का फैसला किया।

इस फैसले के आते ही देश भर के छात्रों के बीच जश्न का माहौल बना हुआ है। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने भी अब छात्रों की जीत पर खुलकर अपनी बात रखी है। इस्तीफे की खबर सामने आते ही भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने इसे छात्रों की जीत बताई। उन्होंने सोशल मीडिया पर छात्रों के संघर्ष का समर्थन करते हुए लिखा द फ्यूचर इज ब्राइट..।

अवसर कोलकाता में हो सकता है ऐतिहासिक मैच, आयोजन को लेकर बस औपचारिक ऐलान होना है बाकी

भारत दौरे पर आएगी ब्राजील की फुटबॉल टीम

नई दिल्ली / (एजेंसी)

पांच बार की फीफा वर्ल्ड कप विजेता टीम ब्राजील अक्टूबर में भारत दौरे पर आ सकती है। ईएसपीएन ब्राजील की रिपोर्ट के मुताबिक ब्राजीलियन फुटबॉल महासंघ यानी सीबीएफ भारत में एक इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच कराने के लिए स्थानीय आयोजकों के साथ अंतिम चरण की बातचीत कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, ब्राजील पहले ही सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो फ्रेंडली मुकाबले खेलने पर सहमत हो चुका है। पहला मैच 25 सितंबर को टाउन्सविले और दूसरा मुकाबला 29 सितंबर को ब्रिस्बेन में खेला जाएगा।

इसके बाद टीम अक्टूबर की शुरुआत में भारत में तीसरा मुकाबला खेल सकती है। हालांकि, इस मैच में ब्राजील का प्रतिद्वंद्वी कौन होगा, इसका फैसला अभी नहीं हुआ है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस मुकाबले के आयोजन के लिए कोलकाता को सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

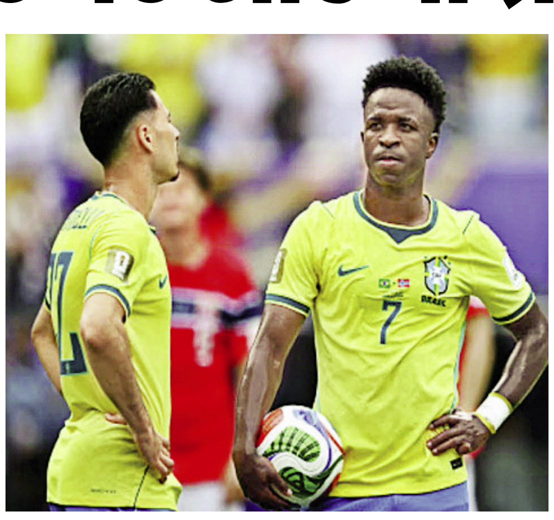

कोलकाता में फुटबॉल और ब्राजील की टीम को लेकर क्रेज

ब्राजील के भारत आने की सबसे बड़ी वजह कोलकाता के फुटबॉल प्रशंसकों का जुनून बताया जा रहा है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दौरान कोलकाता पूरी तरह ब्राजील के रंग में रंग गया था। शहर की गलियों से लेकर बाजारों तक पीली और हरी जर्सियां नजर आ रही थीं। हजारों प्रशंसक ब्राजील की टीम का समर्थन करते हुए सड़कों पर उतरे थे और उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर दुनिया भर में वायरल हुई थीं। ब्राजीलियन फुटबॉल महासंघ भी इस माहौल से प्रभावित हुआ। इसी जबरदस्त समर्थन ने भारत में फ्रेंडली मैच कराने की योजना में अहम भूमिका निभाई। उत्तर कोलकाता के बेनियाटोला इलाके की मशहूर फीफा गली इस बार भी चर्चा का विषय रही। यहां स्थानीय लोगों ने पूरी गली को वर्ल्ड कप थीम पर सजाया। दीवारों पर नेमार, विनीसियस जूनियर और अन्य दिग्गज खिलाड़ियों की पेंटिंग बनाई गईं।

भारतीय फुटबॉल के लिए ऐतिहासिक अवसर

रिपोर्ट के अनुसार, यह मुकाबला फीफा के नए ''सुपर फीफा विंडो'' का हिस्सा हो सकता है। इस नई व्यवस्था के तहत राष्ट्रीय टीमों को 16 दिनों तक का समय मिलता है, जिसमें वे चार तक अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल सकती हैं। इसी वजह से ब्राजील ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत में भी फ्रेंडली खेलने की योजना बना रहा है। अगर यह मुकाबला तय हो जाता है तो यह सिर्फ एक फ्रेंडली मैच नहीं होगा, बल्कि भारतीय फुटबॉल के लिए एक ऐतिहासिक अवसर भी होगा। दुनिया की सबसे सफल राष्ट्रीय टीमों में शामिल ब्राजील को भारतीय धरती पर खेलते देखना लाखों प्रशंसकों का सपना रहा है। इस मैच से भारतीय फुटबॉल को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिल सकती है।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)
दिन रात
244 = 0 179 = 7
379 = 9 170 = 8
शुभांक
दिन रात
160 = 7 499 = 2
239 = 4 239 = 4
भाग्यांक
0 3 6 9
www.kalyangame.com

राम गोपाल वर्मा की तारीफ पर गदगद हुईं यामी गौतम

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों 'आर्टिकल 370' से मिले राष्ट्रीय पुरस्कार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए मनोरंजन जगत में बिताए लंबे सफर को सबसे बड़ा शिक्षक बताया। दरअसल, यामी की इस जीत पर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए बधाई दी थी, जिस पर यामी ने खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपने सफर को याद करते हुए टेलीविजन की दुनिया को 'सबसे बड़ा टीचर' बताया। अभिनेत्री ने लिखा, 'बहुत-बहुत धन्यवाद, सर। आपके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। यह सफर सच में मेरे लिए सबसे बड़ा शिक्षक रहा है और आपके प्रोत्साहन व सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। आगे भी सीखते, आगे बढ़ते और अपने काम के प्रति ईमानदार बने रहने की कोशिश जारी रहेगी।'

अभिनेत्री यामी गौतम ने टेलीविजन इंडस्ट्री से अपने करियर की शुरुआत कर खुद को हिंदी सिनेमा की सफल अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। बता दें कि 'आर्टिकल 370' 2024 में रिलीज हुई एक राजनीतिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म जम्मू-कश्मीर को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जे को निरस्त करने और राज्य से आतंकवाद के खात्मे की ऐतिहासिक और राजनीतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में अभिनेत्री यामी गौतम ने 'जूनी हक्सर' नामक एक खुफिया (इंटेलिजेंस) अधिकारी की भूमिका अदा की थी और प्रियमणि ने पीएमओ सचिव 'राजेश्वरी स्वामीनाथन' की मुख्य भूमिका निभाई थी। इनके अलावा अरुण गोविल (प्रधानमंत्री) और किरण करमाकर (गृह मंत्री) के किरदार में नजर आए थे।

इसका निर्देशन आदित्य सुहास जाम्भले ने किया था। इसकी पटकथा 2016 की कश्मीर अशांति और अनुच्छेद 370 को हटाने के गुप्त मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है। सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद, यह फिल्म जी5 और नेटफ्लिक्स पर भी उपलब्ध है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत सफल रही थी। फिल्म ने 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 'सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म' का पुरस्कार जीता और यामी गौतम को 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का पुरस्कार मिला।

महिमा मकवाना ने बताई इंडस्ट्री की सबसे बड़ी चुनौती

अभिनेत्री महिमा मकवाना ने अपने करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं और अब वह अपनी आने वाली वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच, उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि अभिनय की दुनिया जितनी ग्लैमरस दिखाई देती है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी होती है। उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्री में काम के घंटे तय नहीं होते और कई बार कलाकारों को लगातार व्यस्त रहना पड़ता है। ऐसे में मानसिक रूप से खुद को मजबूत बनाए रखने के लिए एक रूटीन होना बेहद जरूरी है।

आईएएनएस से खास बातचीत में महिमा ने कहा, 'मुझे लगता है कि एक खास तरह का रूटीन हमेशा जरूरी होता है, ताकि हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहे. अभिनय ऐसा पेशा है, जिसमें कलाकार को हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी पड़ती है। इसमें आपको हर समय शांत मानसिकता में रहना पड़ता है, इसलिए किसी भी तरह की एक तय व्यवस्था बहुत जरूरी है और अब इसे लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है।'

महिमा ने कहा, ''मनोरंजन जगत में सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि यहां काम के दिन और छुट्टियों का कोई निश्चित नियम नहीं होता। इस क्षेत्र में कलाकारों को कई बार लंबे समय तक काम करना पड़ता है और शूटिंग शेड्यूल लगातार बदलते रहते हैं। ऐसे में अपने निजी जीवन और काम के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती होती है, जिससे काम भी प्रभावित न हो और आपकी मानसिक सेहत भी ठीक रहे।'' काम के घंटों और इंडस्ट्री में बदलाव को लेकर महिमा ने कहा, ''अब इस विषय पर पहले से ज्यादा बातचीत हो रही है। हर कलाकार की स्थिति अलग होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने करियर में कहां हैं। आप अपनी बात किस तरह रख सकते हैं और फिल्म निर्माताओं के साथ किस तरह तालमेल बना सकते हैं। हर किसी के लिए स्थिति अलग होती है।''

उन्होंने कहा, ''किसी भी फैसले में सिर्फ अपनी सुविधा को नहीं देखना चाहिए, बल्कि पूरी टीम के नजरिए को भी समझना जरूरी है। किसी फिल्म या शो में कई लोगों की मेहनत और पैसा जुड़ा होता है, इसलिए ऐसा रास्ता निकालना चाहिए जो सभी के लिए सही हो।'' वर्क फ्रंट की बात करें तो महिमा मकवाना जल्द ही 'मुसाफिर कैफे' में नजर आएंगी। इस प्रोजेक्ट में उनके साथ अभिनेता विक्रांत मैसी और वेदिका पिंटो भी मुख्य भूमिका में हैं।

अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक से अलग हुए आमिर खान

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान भारतपे के पूर्व को-फाउंडर और बिजनेसमैन अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक से बाहर हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के डायरेक्टर राहुल मोदी के साथ क्रिएटिव डिफरेंस की वजह से आमिर ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ने का फैसला किया है। पहले खबर थी कि आमिर इस फिल्म में अश्नीर ग्रोवर का किरदार निभाने वाले थे और उनके साथ श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में थीं। आमिर के फिल्म छोड़ने के बावजूद मेकर्स इस प्रोजेक्ट पर काम जारी रखेंगे। अब श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी अश्नीर के रोल के लिए किसी युवा एक्टर की तलाश कर रहे हैं।

क्रिएटिव डिफरेंस की वजह से अलग हुए आमिर

आमिर खान को स्टार्टअप्स की दुनिया काफी पसंद है। वे अश्नीर ग्रोवर की बायोपिक को लेकर काफी उत्सुक थे। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने खुद फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम किया था और इसे अपने हिसाब से तैयार करने की कोशिश की। हालांकि, स्क्रिप्ट और फिल्म के डायरेक्शन को लेकर डायरेक्टर राहुल मोदी और आमिर के विचार अलग थे। लगातार बातचीत के बाद भी जब सहमति नहीं बनी, तो आमिर ने खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया। मेकर्स को नए यंग एक्टर की तलाश आमिर खान के हटने के बाद भी बायोपिक पर काम बंद नहीं हुआ है। डायरेक्टर राहुल मोदी और एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर फिल्म को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अब मेकर्स अश्नीर ग्रोवर के रोल के लिए किसी युवा एक्टर की तलाश कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स की इंडस्ट्री के दो से तीन बड़े युवा एक्टर्स से बात चल रही है और जल्द ही मुख्य किरदार के नाम पर मुहर लग सकती है। मार्च 2027 में शुरू होने वाली थी फिल्म की शूटिंग शुरुआती योजना के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग मार्च 2027 में शुरू होनी थी। आमिर खान निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ अपनी पीरियड ड्रामा फिल्म की शूटिंग पूरी करने के बाद इस बायोपिक का काम शुरू करने वाले थे। हालांकि, अब कास्टिंग में बदलाव होने के बाद शूटिंग शेड्यूल पर भी असर पड़ सकता है।

फिल्म में एक्टिंग के साथ प्रोडक्शन भी संभालेंगी श्रद्धा

इस बायोपिक में श्रद्धा कपूर अहम भूमिका में नजर आएंगी। वे फिल्म में अश्नीर ग्रोवर की पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर का किरदार निभा सकती हैं। इसके साथ ही श्रद्धा कपूर एक बड़े स्टूडियो के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रही हैं। एक्टर और प्रोड्यूसर के तौर पर यह फिल्म श्रद्धा के करियर का बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है।

नितांशी गोयल ने पूरी की 'तक्षाकुडू' की शूटिंग

फिल्म 'लापता लेडीज' फेम नितांशी गोयल अपनी अपकमिंग फिल्म 'तक्षाकुडू' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। उन्होंने सेट से कई बीटीएस तस्वीरें शेयर की हैं। नितांशी ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमें देखा जा सकता है कि वह दुल्हन की तरह सजी हैं। एक दूसरी तस्वीर में वह कुत्ते के सिर से अपना सिर लगा रगा रही हैं। एक और तस्वीर में वह आनंद देवरकोंडा के साथ पोज दे रही हैं। एक और तस्वीर में वह फिल्म की टीम के साथ नजर आ रही हैं।

तस्वीरें शेयर करते हुए नितांशी ने लिखा 'तक्षकुडू की शूटिंग पूरी कर ली है। यह सफर बहुत अच्छा रहा। सेट पर हर दिन मैंने कुछ ऐसा सीखा जिसे अपने घर ले जा सकूं। बहुत अच्छी यादें बनाई। बहुत अच्छे लोग मिले। एक ऐसी भाषा सीखी, जिससे प्यार हो जाए। फिल्म में अपने किरदार के बहुत पास रहूंगी।' आपको बता दें कि नितांशी गोयल की अपकमिंग फिल्म 'तक्षाकुडू' नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसमें वह 'करुणा' नाम की एक लड़की का किरदार निभा रही हैं। इसमें उनके साथ आनंद देवरकोंडा हैं। इसके निर्देशक विनोट अनंतोजु हैं।

नितांशी गोयल साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म 'लापता लेडीज' में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने फूल कुमारी का किरदार निभाया था, जिसकी काफी तारीफ हुई थी। बेहतरीन अदाकारी के लिए उन्हें आईफा अवॉर्ड मिला था। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर पाई थी।

ऑडियंस के पास अब बहुत चॉइस

अच्छा कॉन्टेंट देंगे तभी वो आपके पास आएंगी

अन्नू कपूर उन कलाकारों में से है, जिन्हें दर्शक लंबे समय से स्क्रीन पर देख रहे हैं। फिर चाहे वह रिएलिटी शो 'अंताक्षरी' में होस्ट रहे हों या 'विकी डोनर' और 'ड्रीम गर्ल' में उनके बेहतरीन कॉमेडी रोल, वह हर अंदाज में जंचते हैं। फिल्मी दुनिया में साढ़े चार दशक लंबा समय बिता चुके अन्नू कपूर कहते हैं कि मुझे इस दुनिया में जो मिला वह काफी है। मैं कहूंगा कि मेरे भाग्य में जितना था, उतना ही मिला। साल 2012 में आई 'विकी डोनर' में अपने अभिनय के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले अन्नू मानते हैं कि बॉक्स ऑफिस पर कमाई सीरियस फिल्में ज्यादा करती हैं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या हमेशा से कॉमेडी फिल्में दर्शकों की पसंदीदा रही हैं? तो उन्होंने कहा, 'नहीं, ऐसी बात नहीं है। आप ताज्जुब करेंगे कि जिन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड कमाई की है और जो कॉन्टेंट आधारित फिल्में रही हैं, उनमें से 80 फीसदी फिल्में ट्रैजिडी और सीरियस जॉनर की रही हैं। अगर आप ऑस्कर का इतिहास देखेंगे, तो सवा फिल्म का अवॉर्ड मिला है। अगर ऐसा होता तो जिन डायरेक्टर्स ने सिर्फ कॉमेडी फिल्में बनाई हैं, उनका नाम भारत के बेस्ट डायरेक्टर्स में आता, लेकिन उनका नाम टॉप 50 में भी नहीं है।'

करीब पांच दशक पहले नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में पढ़ाई के दौरान अन्नू ने दिल्ली में भी काफी वक्त गुजारा। जब उनसे कुछ यादें साझा करने को कहा गया, तो उन्होंने वह मजेदार किस्सा साझा किया, जब वह एक बार में 23 रोटियां खा गए थे। बकौल अन्नू, 'अभी जब मैं इंटरव्यू के लिए आ रहा था, तो रास्ते में रेफ्यूजी मार्केट से गुजरा। तब मुझे वो जवानी के दिन याद आ गए, जब मेरे सामने खाने के लाले होते थे। मुझे आज भी याद है वह मई-जून की चिलचिलाती गर्मी का दिन इसी रेफ्यूजी मार्केट में, जब दो-तीन दिन से पेट में कुछ ठीक से गया नहीं था। उस दौरान कहीं से काम के बदले 75 रुपए का चेक मिला। इतना भूखा था मैं कि मैं उस दिन 23 रोटियां खा गया था। उस दिन 23 रोटियां, दो टिक्की मक्खन की और एक रुपए का नत्थू स्वीट्स से छोले का कुल्हड़ और पैदल अपने हॉस्टल पहुंचा, क्योंकि अब ऑटो का किराया नहीं बचा था। हॉस्टल जाकर मैं नहाया और सो गया। उस दिन मुझे जो नींद आई, तो फिर मैं सीधा रात को साढ़े नौ बजे उठा।'

ऑडियंस के सामने कॉन्टेंट की कमी नहीं है

अन्नू जल्द अपनी नई फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' में नजर आने वाले हैं, जिसमें उनका किरदार हमेशा भविष्य में होने वाली चीजों की चिंता करता है। जब उनसे पूछा गया कि इस फिल्म को उन्होंने क्या सोचकर हां किया, तो उन्होंने जवाब दिया, 'इसका टॉपिक वाकई अच्छा है और अच्छे कॉन्टेंट के लिए मुझे नहीं लगता कि हमारी फिल्म इंडस्ट्री का कोई कोई भी एक्टर ना कहेगा, क्योंकि उनको भी पता चल गया है कि हमारी ऑडियंस के पास इतनी चॉइस आ चुकी हैं कि आप अच्छा कॉन्टेंट देंगे तभी वो आपके पास आएंगी। अब गली-गली के मोड़ पर इतने कॉन्टेंट क्रिएटर्स हो गए

अच्छा है। एक इसका पहलू यह भी है कि अब लोग अच्छा कॉन्टेंट लेकर आएंगे।'

मैंने गुरु नानक जी से सीखा है

जब हमने अन्नू से पूछा कि क्या कभी उन्हें भविष्य की चिंता नहीं हुई, तो उन्होंने बताया, 'मुझे भय जैसा कुछ नहीं हुआ, क्योंकि मैंने सद्गुरु श्री नानक देव जी से एक सीख ली है। मैं आपको एक कहानी सुनाता हूं। जब बाबा नानक 12 साल के थे तो घर से गायब हो गए थे। पूरे गांव में हल्ला मच गया कि बालक नानक कहां चले गए। जब उनके लिए तलाश शुरू हुई, तो वह एक श्मशान में मिले। जब गांव वालों ने पूछा कि आप मरघट यानी मरने के घर में क्यों बैठे हैं? तो उन्होंने कहा कि यह कोई मरने का घर नहीं हो सकता, क्योंकि यहां आकर कोई मरता नहीं है। यहां तो लोग मरकर आते हैं। और जिस घर को, जिस जगह को तुम घर की निशानी बोल रहे हो, वहां पर लोग मरते हैं। मरघट तो असलियत में वह है। यहां तो लोग चार लोगों के कंधे का सहारा लेकर आते हैं। तो मुझे ऐसा लगा कि मैं चार लोगो का सहारा लेकर क्यों आऊं। इतना कमजोर क्यों बनूं? तो मैं पहले यहां आकर बैठ गया। इससे पता चलता है कि उन्होंने मृत्यु को वैसे ही स्वीकार किया जैसे जीवन को। इसलिए मुझे भी कोई डर की बात नहीं है।'

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630